दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

MPHIN/2021/83938

ग्वालियरः वर्षः 4 : अंकः 32 | ग्वालियर,9 दिसम्बर, शनिवार 2023 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

दुनिया में सबसे पवित्र रिश्ता भाई-बहिन का है- मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान

लाड़ली बहनों को लखपति बहना बनाने का अभियान शुरू होगा,पीएम श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश तरक्की कर रहा है,,श्री हजारेश्वर मेला मैदान में विशाल जनसभा आयोजित

प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने श्री हजारेश्वर मेला मैदान श्योपुर में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि दुनिया में सबसे पवित्र रिश्ता भाई-बहिन का है। लाडली बहनाओं के स्वागत से अभिभूत हॅू, पूरा प्रदेश मेरा परिवार है, आपका भाई जो भी वचन देता है, उसे जरूर पूरा करता है। जो भी गारंटी हमने दी है, एक-एक गारंटी को पूरा किया जायेगा। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में गौरवशाली, वैभवशाली, शक्तिशाली और समृद्ध राष्ट का निर्माण हो रहा है। देश दिन प्रतिदिन तरक्की कर रहा है तथा डबल इंजन की सरकार से प्रदेश का निरंतर विकास हो रहा है। इस अवसर पर पूर्व विधायक श्री दुर्गालाल विजय, श्री बाबूलाल मेवरा, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गुड्डी बाई आदिवासी, नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती रेणु सुजीत गर्ग, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री सुरेन्द्र जाट, भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य श्री महावीर सिंह सिसौदिया, भाजपा जिला महामंत्री श्री शंशाक भूषण, श्री अरविन्द जादौन, श्री गिरधारी बैरवा, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष श्री मोनू सोनी, श्रीमती मिथलेश तोमर, विजयपुर नगर परिषद अध्यक्ष श्री कमलेश कुशवाह, नगर परिषद बडौदा के अध्यक्ष प्रतिनिधि श्री राजू सुमन, उपाध्यक्ष श्री दारा सिंह बंजारा, नगर मंडल अध्यक्ष श्री दिनेश दुबोलिया सहित अन्य जनप्रतिनिधि, पार्षदगण, पंचायतो के प्रतिनिधि, सरपंच तथा कमिश्नर श्री दीपक सिंह, आईजी श्री सुशांत कुमार सक्सैना, कलेक्टर श्री संजय कुमार, पुलिस अधीक्षक डॉ राय सिंह नरवरिया सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि लाडली बहना योजना एक क्रांतिकारी योजना है, इससे महिलाओं के जीवन में बदलाव आया है, बहनो की जिंदगी इस योजना ने बदल दी है, किसी ने सिंलाई मशीन खरीदी तो किसी ने फल की दुकान लगाई, किसी ने सब्जी दुकान तो किसी ने भोजनालय खोलकर इस योजना से मिली राशि से अपनी आजीविका बढाने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि हर माह बहनो के खाते में इसी प्रकार राशि आती रहेगी, और जो वादा किया था, उसी तरह राशि बढाते हुए 03 हजार रूपये की जायेगी। उन्होने कहा कि अभी तो बहनाओं को लखपति बनाने के लिए अभियान की शुरूआत करेंगे, जिसमें हर बहना की सालाना इनकम एक लाख होगी। उन्हें ऐसे रोजगार से जोडा जायेगा, जिससे वे 10 से 15 हजार रूपये मासिक कमा सकें। अभी एनआरएलएम के माध्यम से 15 लाख लखपति बहने प्रदेशभर में बनाई है। लखपति दीदी बनाने का संकल्प है मिशन है यह अभियान जल्द ही शुरू होगा। श्योपुर में भी 23 हजार लखपति बहने एनआरएलएम के समूहो से जुडकर बन गई है। इस मिशन को आगे बढाया जायेगा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि भांजे और भाजियों को भी किसी तरह की कमी नही होने दी जायेगी। स्कूटी योजना का लाभ मिलता रहेगा तथा मेडिकल, इंजीनियर और उच्च संस्थानो में पढाई करने वाले भांजे-भाजियों की फीस सरकार भरेगी। उन्होंने कहा कि महिलाओं के लिए हर तरह की सुविधा देने का कार्य किया जा रहा है। बहन-बेटी के नाम से संपत्ति खरीदने के लिए स्टॉप ड्यूटी में छूट दी गई है। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश में 40 लाख लाडली बेटिया है, जो मेरे लिए गर्व की बात है। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हर वर्ग के लिए,देश की सरकार कार्य करेगी। किसानों को भी उनकी उपज का पूरा लाभ मिले, इस दिशा में कार्य किया जा रहा है। इसके पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष श्री सुरेन्द्र जाट द्वारा स्वागत भाषण दिया गया, कार्यक्रम का संचालन भाजपा जिला महामंत्री श्री शंशाक भूषण ने किया।लाडली बहनाओ का पूजन-अभिनन्दनमुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा कार्यक्रम की शुरूआत मंच पर लाडली बहनाओ के पूजन एवं अभिनन्दन से की गई, इस अवसर पर लाडली बहनाओं द्वारा उनका माल्यार्पण स्वागत किया गया तथा लाडली बहना श्रीमती भावना दीदी द्वारा साफा पहना गया। लाडली बहनाओं ने इस अवसर पर लकडी की बैलगाडी स्मृति चिन्ह के रूप में भेंट की गई तथा लकडी की गदा देकर सम्मानित किया गया।20 फीट की राखी बांधीमुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान को कार्यक्रम के दौरान लाडली बहनाओ द्वारा 20 फीट की राखी बांधी गई। स्वसहायता समूह की महिलाओं द्वारा स्वयं निर्मित 20 फीट की राखी बांधकर भैया श्री शिवराज सिंह चौहान के दीर्घायु जीवन की कामना की गई तथा तिलक लगाकर शुभाशीष प्रदान किया गया।

03 करोड 53 लाख का चैक वितरण– मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा कार्यक्रम के दौरान एनआरएलएम के स्वसहायता समूहों को 03 करोड 53 लाख रूपये की सीसीएल राशि का चैक वितरित किया गया। स्वसहायता समूहो की महिलाओं को आजीविका के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से शासन द्वारा सीसीएल की राशि का प्रदाय किया जाता है, इसी क्रम में 216 स्वसहायता समूहों को 03 करोड 53 लाख रूपये की सीसीएल राशि का चैक प्रदाय किया गया।

आप सरकार में सबसे ज्यादा विभागों वाली मंत्री बनीं आतिशी, कैलाश गहलोत से कानून विभाग वापस लिया गया

दिल्ली सरकार में मंत्री कैलाश गहलोत से शुक्रवार को कानून एवं न्याय विभाग वापस ले लिया गया. कानून विभाग का प्रभार आतिशी को सौंपा गया है. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. इसके एक दिन पहले उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने शहर में न्यायिक बुनियादी ढांचे और प्रशासन से संबंधित फाइल मंगाई थीं, क्योंकि ये फाइल कई महीनों से कैलाश गहलोत के पास लंबित थीं.

उपराज्यपाल ने दी मंजूरी– अधिकारियों ने कहा कि मुख्यमंत्री कार्यालय ने उपराज्यपाल कार्यालय को पत्र लिखकर आतिशी को कानून विभाग का प्रभार सौंपने की सिफारिश की है और इसे उपराज्यपाल विनय सक्सेना की मंजूरी मिल गई है. आम आदमी पार्टी सरकार ने इस पर आधिकारिक

तौर पर प्रतिक्रिया नहीं दी है.

अब सबसे ज्यादा विभाग आतिशी के पास–इस बदलाव के साथ आतिशी के पास मौजूद विभागों की संख्या बढ़कर 14 हो गई है, जो केजरीवाल सरकार के मंत्रियों में सबसे ज्यादा है. इससे पहले अक्टूबर में उन्हें जल विभाग का प्रभार सौंपा गया था. जून में, आतिशी को राजस्व, योजना और वित्त विभागों का प्रभार दिया गया था. ये विभाग पहले कैलाश गहलोत के पास थे.

कैलाश गहलोत के हिस्से में क्या बचा–कैलाश गहलोत के पास अब परिवहन, गृह, प्रशासनिक सुधार और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग का प्रभार है. उपराज्यपाल सक्सेना ने बृहस्पतिवार को शहर में अदालतों, न्यायिक बुनियादी ढांचे, त्वरित न्याय और न्याय प्रशासन प्रणाली से संबंधित उन सभी फाइल को वापस मंगाया था, जिन्हें कानून मंत्री ने निपटाने में कथित तौर पर देरी की.राजनिवास के अधिकारियों ने बताया था कि उपराज्यपाल ने निर्देश दिया है कि दिल्ली के कानून मंत्री के पास छह महीने तक लंबित रही ऐसी सभी फाइल तीन दिनों के भीतर उन्हें सौंपी जाएं. चार दिसंबर को प्रधान सचिव (विधि और न्याय) की एक रिपोर्ट में 18 ऐसी फाइल उपराज्यपाल सचिवालय के संज्ञान में लाई गईं, जो लंबित थीं.

इस्तीफा देने वाले बीजेपी सांसदों को बंगला खाली करने का नोटिस

मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान सहित पांच राज्यों में हाल में हुए विधानसभा चुनाव में जीते बीजेपी सांसदों और केंद्रीय मंत्रियों के इस्तीफे के बाद उन्हें सरकारी बंगला खाली करने का नोटिस भेजा गया है. लोकसभा हाउसिंग कमेटी ने नेताओं का 30 दिन का समय दिया है. नोटिस में बताया गया कि 12 सांसदों से बंगला खाली करने को कहा गया है. इनमें नरेंद्र सिंह तोमर, प्रह्लाद सिंह पटेल, रेणुका सिंह सरुता, दीया कुमारी, राकेश सिंह, अरुण साव, गोमती साय, रिति पाठक, बाबा बालकनाथ, राज्यवर्धन सिंह राठौड़ और उदय प्रताप सिंह का नाम शामिल हैं. दरअसल, विधानसभाओं चुनाव में बीजेपी के सांसदों ने चुनाव लड़ा था. इसमें जीतने के बाद उन्होंने संसद की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया

था.

इस्तीफा देने वाले सांसदों ने कहां से चुनाव जीता–इस्तीफा देने वाले सांसदों में मध्य प्रदेश से नरेंद्र सिंह तोमर, प्रह्लाद सिंह पटेल, राकेश सिंह, रीति पाठक और उदय प्रताप सिंह चुनाव जीते हैं. वहीं राजस्थान से किरोड़ी लाल मीणा, दीया कुमारी और राज्यवर्धन सिंह राठौड़ है.छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव जीतने वालों में सरुता, गोमती साई और अरुण साव शामिल हैं. राजनीतिक गलियारों में अटकलें है कि इनमें से कई लोगों को सरकार में अहम जिम्मेदारी मिल सकती है.

बीजेपी ने की थी बड़ा जीत हासिल –बीजेपी ने छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को सत्ता से बाहर कर 90 सीटों में से 54 पर जीत दर्ज की है. वहीं कांग्रेस 35 पर सिमट गई. मध्य प्रदेश की बात करें तो यहां की 230 सीटों में से बीजेपी के खाते में 163 सीटें गई थी. यहां कांग्रेस को 66 सीटें मिली थी. इसके अलावा राजस्थान की 199 सीटों पर हुए चुनाव में बीजेपी ने 115 सीटें हासिल की थी. राज्य में कांग्रेस ने 69 सीटों पर जीत दर्ज की थी.

220 करोड़ कैश जब्त, गिनती अब भी जारी, पीएम मोदी ने लाफिंग इमोजी के साथ कहा- नोटों के ढेर को देखें

..झारखंड से कांग्रेस के राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू के ठिकानों पर छापेमारी में मिले 220 करोड़ रुपये से अधिक के कैश मामले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्ष पर बड़ा हमला किया है.उन्होंने तीन लाफिंग इमोजी के साथ सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर मीडिया रिपोर्ट शेयर किया और लिखा, ''देशवासी इन नोटों के ढेर को देखें और फिर इनके नेताओं के ईमानदारी के भाषणों को सुनें...जनता से जो लूटा है, उसकी पाई-पाई लौटानी पड़ेगी, यह मोदी की गारंटी है.''

लीक से हटकर पोस्ट–साथ ही पीएम मोदी ने क्रॉस और डॉलर की इमोजी भी लगाई. आम तौर पर प्रधानमंत्री मोदी अपने हैंडल से बयान के साथ इमोजी नहीं लगाते रहे हैं. ऐसे में उनके इस ट्वीट ने कई लोगों को ध्यान खींचा. पीएम मोदी ने जिस खबर को शेयर किया है उसमें नोटों से भरी कई अलमारियों की तस्वीर देखी जा सकती है. आयकर विभाग के अधिकारियों ने बताया कि ओडिशा स्थित शराब बनाने वाली बलदेव साहू एंड ग्रुप ऑफ कंपनीज के खिलाफ कर चोरी के आरोप में शुक्रवार को तीसरे दिन भी छापे मारे. उन्होंने बताया कि इस दौरान नकदी से भरे 156 बैग बरामद किए. नोटों की गिनती जारी है. बलदेव साहू एंड ग्रुप ऑफ कंपनीज धीरज प्रसाद साहू की कंपनी है.

आयकर विभाग ने क्या कहा–उन्होंने बताया कि इन बैग से बरामद नकदी में से अब तक 20 करोड़ रुपये गिने जा चुके हैं. इसके साथ ही छापेमारी में अब तक 220 करोड़ रुपये बरामद किए गए हैं. विभाग के अधिकारियों ने शुक्रवार को बोलांगीर जिले के सुदापाड़ा में छापेमारी के दौरान नकदी से भरे 156 बैग बरामद किए. एक अधिकारी ने कहा, ''156 बैग में से केवल छह-सात की गिनती की गई, जिसमें 20 करोड़ रुपये की रकम पाई गई.''देश की सबसे बड़ी शराब बनाने वाली और बिक्री करने वाली कंपनियों में शुमार 'बलदेव साहू एंड ग्रुप ऑफ कंपनीज' के बोलांगीर कार्यालय पर छापेमारी के दौरान गुरुवार को लगभग 200 करोड़ रुपये नकद जब्त किए गए. आयकर विभाग के पूर्व आयुक्त शरत चंद्र दास ने कहा कि यह ओडिशा में आयकर विभाग द्वारा अब तक की सबसे बड़ी नकदी जब्ती हो सकती है.

नेहरू के जमाने में आया था पहला कैश फॉर क्वेरी का मामला, महुआ मोइत्रा से पहले ये सांसद गंवा चुके हैं सदस्यता

कैश फॉर क्वेरी मामले में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद महुआ मोइत्रा की संसद सदस्यता शुक्रवार (08 दिसंबर) को रद्द कर दी गई. लोकसभा की एथिक्स कमेटी ने उन्हें निष्कासित करने की सिफारिश की थी. हालांकि इस तरह का ये पहला मामला नहीं है जब किसी सांसद को अपनी संसद सदस्यता गंवानी पड़ी हो. अब तक 14 ऐसे सांसद हैं जिन्हें अपनी सदस्यता गंवानी पड़ी है.पहला मामला तो आजादी के 4 बाद ही पूर्व प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के जमाने में ही आया था. जब कांग्रेस सांसद एचजी मुदगल पर बिजनेसमैन से पैसे और गिफ्ट लेकर सवाल पूछने के चलते अपनी सदस्यता गंवानी पड़ी थी.

इसके बाद सोमनाथ चटर्जी के जमाने में भी 11 सांसद ऐसे रहे जिन्हें इसी तरह के मामले में अपनी संसद सदस्यता गंवानी पड़ी. इस बात का जिक्र लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भी किया.

जवाहरलाल नेहरू के जमाने का मामला–साल 1951 में कांग्रेस के दिग्गज नेताओं में गिने जाने वाले एचजी मुदगल ने एक बिजनेसमैन से संसद में सवाल पूछने के बदले 5 हजार रुपये लिए थे. इस मामले को लेकर एक स्पेशल पांच सदस्यीय जांच समिति गठित की गई. इस समिति ने मुदगल के खिलाफ लगे आरोपों को सही पाया और उनकी सदस्यता रद्द कर दी गई. पहले तो मुदगल अपने लगे आरोपों पर साफ मुकर गए लेकिन बाद में उन्होंने पंडित जवाहल लाल नेहरू के सामने स्वीकार किया था कि जिस तरह का प्रचार किया जा रहा है कि उन्हें 20 हजार रुपये मिले, ये सही नहीं है. हां उन्हें 2700 रुपये मिले थे.

इस जिले ने दिए मध्य प्रदेश को सबसे अमीर और गरीब विधायक,

मध्य प्रदेश का रतलाम शहर यूं तो अपने चटपटे और तीखे रतलामी सेव (नमकीन) के कारण जाना जाता है, लेकिन सूबे की राजनीति में अब एक और वजह से इसका नाम फेमस हो गया है. रतलाम के खाते में प्रदेश के सबसे अमीर और सबसे गरीब विधायक को विधानसभा में भेजने का रिकॉर्ड दर्ज हुआ है. चौकाने वाली बात यह है कि एक विधायक अरबपति है तो दूसरा लखपति भी नहीं है. मध्य प्रदेश के सबसे अमीर विधायक की कमाई (चल-अचल संपत्ति) का ब्यौरा देने से पहले जान लेते हैं कि सूबे के सबसे गरीब विधायक की माली हालत कैसी है?संयोग देखिए कि दोनों एक ही जिले से विधायक चुनकर मध्य प्रदेश की विधानसभा में पहुंचे हैं. रतलाम जिले की सैलाना सीट से सिर्फ 33 साल के कमलेश्वर डोडियार ने चुनाव जीतकर कमाल कर दिया है. ताज्जुब की बात यह है कि कमलेश्वर ने बीजेपी-कांग्रेस की बजाय नए-नवेले दल भारत आदिवासी पार्टी (क्क्क) की टिकट पर चुनाव जीता है.

कमलेश्वर डोडियार ने दी कांग्रेस-बीजेपी को पटखनी –राजस्थान की भारत आदिवासी पार्टी के उम्मीदवार कमलेश्वर डोडियार ने मध्य प्रदेश के रतलाम जिले की सैलाना सीट से कांग्रेस के विधायक हर्ष विजय गहलोतको 4 हजार 618 वोटों से हराकर अपनी पार्टी का मध्यप्रदेश में खाता खोल दिया है.

एमपी में मंत्री के नामों पर रस्सकशी तेज, इंदौर शहर के 7 विधायकों के नाम चर्चा में,

मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने इंदौर जिले में क्लीन स्वीप किया है. बीजेपी ने इंदौर की सभी 9 विधानसभा सीटें जीत कर इतिहास रच दिया. बीजेपी की प्रचंड बहुमत के बाद जहां एक तरफ मुख्यमंत्री नाम को लेकर हलचल तेज हो गई है, वहीं इंदौर से इस बार कौन-कौन से नाम मंत्री बनने की रेस में शामिल हैं इस पर भी सभी की नजरें टिकी हुई हैं. बीजेपी ने इंदौर की सभी 9 विधानसभा सीटों पर जीत दर्ज की और कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो गया. इस ऐतिहासिक जीत के बाद अब हर किसी के जेहन में यही सवाल उठ रहा है कि इंदौर से कौन-कौन से मंत्री पद की शपथ लेगा? फिलहाल यहां से 7 बड़े दावेदार चेहरे मंत्री पद की रेस में नजर आ रहे हैं.

कैलाश विजयवर्गीय –इस लिस्ट में पहला और सबसे बड़ा नाम बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय का है.

मुझे पिस्टल दो मैं.कांग्रेस विधायक हरीश चौधरी को जान से मारने की धमकी, मामले की जांच शुरू

राजस्थान में विधानसभा चुनाव के परिणाम आ चुके हैं. बीजेपी को प्रचंड बहुमत मिल गया है. बाड़मेर जिले के कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और बायतु विधायक हरीश चौधरी को जान से मारने की धमकी मिल गई है. जान से मारने की धमकी भरा ऑडियो जिले के अलग-अलग व्हाट्सएप ग्रुप में शेयर किया गया है. इसमें एक युवक बोल रहा है, ÷मुझे पिस्टल लाकर दे दो मैं हरीश को गोली मार दूंगामामला गुरुवार दोपहर करीब एक बजे का बताया जा

रहा है. जब यह ऑडियो चौधरी के पास पहुंचा. उस समय कांग्रेस के पंजाब प्रभारी और बायतु विधायक हरीश चौधरी चंडीगढ़ दौरे पर थे. मामला सामने आने के बाद तुरंत विधायक ने बालोतरा एसपी हरिशंकर को फोन कर इस घटना के बारे में बताते हुए ऑडियो भी शेयर किया है. एसपी हरिशंकर का कहना है कि ऑडियो संज्ञान में आने के बाद जांच शुरू कर दी गई है. जल्द ही आरोपी की गिरफ्तारी होंगे.

कांग्रेस विधायक को जान से मारने की धमकी मिली–राजस्थान विधानसभा चुनाव के 3 दिसंबर को नतीजे आए थे. बायतु विधानसभा से कांग्रेस के हरीश चौधरी ने आरएलपी के उम्मेदाराम बेनीवाल को 910 वोटों से हराया था. बीजेपी से बालाराम मूड चुनावी मैदान में थे. ऐसे में दावा किया जा रहा है कि यह ऑडियो 3 दिसंबर के बाद का ही है. बताया जा रहा है कि गुरुवार दोपहर 1ः00 बजे अचानक यह ऑडियो बाड़मेर के अलग-अलग व्हाट्सएप ग्रुप में शेयर होने लगा.

कार्यालयः नगरपालिका परिषद गोहद जिला भिण्ड (म.प्र.)

Email- cmogohad@mpurban.gov.in, Add- Ward 14, Fort Road Gohad, Dist- Bhind (M.P.)

क्रमांक/नामान्तरण–शाखा/न.पा./2023/ 1550 गोहद दिनांक 08/12/2023

सार्वजनिक सूचना बाबत नामान्तरण

सर्व साधारण की जानकारी के लिये एतद्व द्वारा सूचना दी जाती है, कि निम्नलिखित आवेदकों के आवेदन बावत् नामान्तरण भवन/भूमि स्वामित्व व अधिपत्य प्राप्त होकर नगरपालिका अभिलेखों में नाम परिवर्तन बावत विचाराधीन है। जिस किसी को इस वावत कोई आपत्ति हो तो वह सूचना जारी दिनांक से अन्दर म्याद 30 दिवस अपनी लिखित उज्रदारी संबंधित अभिलेखों व स्वामित्व प्रमाणों सहित इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है, निर्धारित अवधि के बाद प्राप्त कोई आपत्ति स्वीकार नही होगी।

विवरण निम्नानुसार है

क्रं.	प्र.क्रं.	नाम आवेदक व पता	जिसके बजाय नामान्तरण चाहा गया है	वार्ड क्रं./गली मोहल्ला का नाम जहॉ पर भवन/भू–खण्ड स्थित है।	स्वामित्व के प्रकरण जिसके आधार पर नामान्तरण चाहा गया है।	विवरण भवन/भूमि /प्लाट
01	129/2023 × 3/11	शीला पत्नि स्व.मुन्नालाल लीला पत्नि राधेलाल अशोक पुत्र स्व.रामस्वरूप सरोज पत्नि स्व. रमेशचन्द्र गिरजा पत्नि स्व. राकेश अतुल पुत्र रामस्वरूप सदर बाजार वार्ड 11	रामस्वरूप पुत्र शंकरलाल वैश्य नि. सदर बाजार वार्ड 11 गोहद	वार्ड क्रं.11	रजिस्ट्री विक्रय पत्र मृत्यु प्रपाण पत्र लिखतम सहमति पत्र	भवन क्रं.50
02	130/2023 × 3/11	शीला पत्नि स्व.मुन्नालाल लीला पत्नि स्व. राधेलाल अशोक पुत्र स्व.रामस्वरूप सरोज पत्नि स्व. रमेशचन्द्र गिरजा पत्नि स्व. राकेश अतुल पुत्र स्व. रामस्वरूप सदर बाजार वार्ड 11	इमरती देवी पत्नि रामस्वरूप वैश्य नि. सदर बाजार वार्ड 11 गोहद	वार्ड क्रं.11	मृत्यु प्रपाण पत्र लिखतम सहमति पत्र	भवन क्रं.51
03	131/2023 × 3/11	शबाना पत्नि सद्दाम खांन नि.अब्दुलपुरा वार्ड 09	हरीकृष्ण माहौर पुत्र मनोहरलाल माहौर नि. खटीक मौहल्ला वार्ड 04 गोहद	वार्ड क्रं.04	रजिस्ट्री विक्रय पत्र	भवन क्रं.240/4
04	132/2023 × 3/11	लक्ष्मीनारायण पुत्र श्री बहादुर सिंह नि. नया घनश्यामपुरा वार्ड 03	स्व.श्री बहादुर सिंह पुत्र रामसेवक नि. नया घनश्यामपुरा वार्ड 03	वार्ड क्रं.03	मृत्यु प्रमाण पत्र लिखितम सहमति पत्र	भवन क्रं.57
05	133/2023 × 3/11	श्रीमती राजावेटी पत्नि प्रेमनारायण प्रजापति नि. वार्ड 02 छत्तरपुरा गोहद	आकाश श्रीवास पुत्र बेताल सिंह नि वार्ड 01 छत्तरपुरा गोहद	वार्ड क्रं.01	रजिस्ट्री विक्रय पत्र शपथ पत्र गैर कृषि भूमि	भवन क्रं. 221
06	134/2023 × 3/11	सुमित पुत्र देवेन्द्र बाबू श्रीवास वार्ड 16 गोहद	बाबूसिंह पुत्र हरविलास नरवरिया वार्ड 13 गोहद	वार्ड क्रं.16	रजिस्ट्री विक्रय पत्र डायर्वसन, शपथ पत्र	प्लाट
07	135/2023 × 3/11	श्री महेन्द्रसिंह बघेल पुत्र रन्धौर सिंह बघेल नि. इटायली गेट वार्ड 07	1. श्रीमती कुसुम देवी बेबा पत्नि शिवराम 2. श्री बसंत स्वरूप, प्रवीण कुमार पुत्रगण शिवराम 3. वंदना पुत्री शिवराम नि. ग्वालियर	वार्ड क्रं.07	लिखितम विक्रय पत्र न.पा. नकल	भवन क्रं.16/2
08	136/2023 × 3/11	माताप्रसाद पुत्र भूरेलाल जैन नि. मंदिर स्टेशन रोड वार्ड 18	अजमेर सिंह पुत्र रागरतन सिंह वार्ड 17 कीरतपुरा गोहद	वार्ड क्रं.18	रजिस्ट्री विक्रय पत्र खसरा, खतौनी	प्लाट
09	137/2023 × 3/11	श्रीमती शीला देवी पत्नि गजेन्द्र सिंह वार्ड 06 अस्पताल के पीछे मेहगॉव	श्रीनिवास पुत्र मातादीन नि. जोरई पोरसा गुरैना	वार्ड क्रं.18	रजिस्ट्री विक्रय पत्र खसरा, खतौनी	प्लाट
10	138/2023 × 3/11	सतीश कुमार ऊदल सिंह पुत्रगण श्री रिंगलाल महावीरगंज वार्ड 02	श्री नारायण पुत्र बलराम श्री ज्वाली पुत्र हरपाल प्रजापति नि. महावीरगंज वार्ड 02	वार्ड क्रं.02	रजिस्ट्री विक्रय पत्र खसरा, खतौनी	भवन क्रं.21/1
11	139/2023 × 3/11	श्रीमती मथुरा बाई पत्नि मुन्नालाल नि.वार्ड 03 नया घनश्यामपुरा	श्री बलवंत पुत्र मातादीन नि. नया घन्श्यामपुरा	वार्ड क्रं.03	रजिस्ट्री विक्रय पत्र	भवन क्रं. 79
12	140/2023 × 3/11	रविन्द्र सिंह मोहर सिंह पुत्रगण मुन्नालाल नि. नया घन्श्यामपुरा वार्ड 03	श्री नीरज वघेल पुत्र रामदास वघेल नि. वार्ड 03 नया घन्श्यामपुरा गोहद	वार्ड क्रं.17	रजिस्ट्री विक्रय पत्र	प्लाट
13	141/2023 × 3/11	मुन्नी शर्मा पत्नि रामसेवक शर्मा नि. नहर मोहल्ला वार्ड 08	रामसेवक शर्मा पुत्र परमानन्द नि. नहर मोहल्ला वार्ड 08	वार्ड क्रं.08	शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र	भवन क्रं. 145
14	142/2023 × 3/11	उत्तम सिंह पुत्र स्व. श्री परमानन्द नि. वार्ड 01 पुराना घन्श्यामपुरा गोहद	उत्तम सिंह पुत्र स्व. श्री परमानन्द नि. वार्ड 01 पुराना घन्श्यामपुरा गोहद	वार्ड क्रं.01	शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र	भवन क्रं.40
15	143/2023 × 3/11	अशोक कुमार पुत्र श्री गिरन्द सिंह नि. वार्ड 01 छत्तरपुरा	श्री रामनाथ, श्री मुन्नीलाल, श्री जगदीश पुत्रगण मोतीराम प्रजापति नि. वार्ड01 छत्तरपुरा	वार्ड क्रं.01	रजिस्ट्री विक्रय पत्र खसरा	भवन
16	144/2023 × 3/11	श्री रफी मौहम्मद पुत्र श्री मुल्ले खॉ नि. इस्लामपुरा वार्ड 07	श्री ग्यासीराम पुत्र गुन्धारीलाल प्रजापति	वार्ड क्रं.07	लिखितम विक्रय पत्र	भवन क्रं. 60
17	145/2023 × 3/11	प्रवीण ऋषीश्वर पुत्र बनवारीलाल ऋषीश्वर नि. ग्राम चन्दहरा गोहद	भारत सिंह पुत्र श्री प्रखामन सिंह नि. वार्ड 05 गोहद श्रीमति ज्योती पत्नि भारत सिंह	वार्ड क्रं.05	रजिस्ट्री विक्रय पत्र खसरा	भवन
18	146/2023 × 3/11	श्रीमती ऊषा देवी पत्नि रमेश कांकर नि. खरौआ गेट वार्ड 09	श्री वीरेन्द्र कुमार पुत्र श्री कैलाश कुमार श्रीवास्तव नि. नारायण भवन कृष्णपुरी ग्वालियर	वार्ड क्रं.09	रजिस्ट्री विक्रय पत्र	भवन क्रं. 150
19	147/2023 × 3/11	जगदीश प्रसाद गोयल पुत्र स्व. श्री भोगीराम गोयल नि. वार्ड 14 सदर बाजार गोहद	श्री गंगाराम पुत्र तोताराम वैश्य अग्रवाल नि. गोहद हॉल ग्वालियर	वार्ड क्रं.11	बयनामा	भवन क्रं.54
20	148/2023 × 3/11	श्री शैलेन्द्र सिंह गुर्जर पुत्र स्व.श्री दशरथ नि. वार्ड 03 गोहद	श्री स्व. दशरथ सिंह पुत्र स्व.श्री मोहन सिंह नि. गोहदी गेट वार्ड 13	वार्ड क्रं.13	लिखितम विक्रय पत्र मृत्यु प्रमाण पत्र	भवन क्रं. 131
21	149/2023 × 3/11	श्रीमती नेहा प्रजापति पत्नि श्री लवकुश प्रजापति नि. नारायण विहार कॉलोनी ग्वालियर	श्री तेज सिंह पुत्र स्व. सुखलाल नि. ग्राम आलोरी गोहद	वार्ड क्रं.04	रजिस्ट्री विक्रय पत्र शपथ पत्र	प्लाट
22	150/2023 × 3/11	श्री असलम खॉन पुत्र अलीहसन नि. वार्ड 07 गोहद	आसीन खांन पुत्र गुलशेर खॉन नि. जंगलपुरा गोहद	वार्ड क्रं.07	वसीयत नामा रजिस्ट्री विक्रय पत्र	भवन क्रं.39/1
23	151/2023 × 3/11	श्रीमती नीलम सोनी पत्नि श्री रामजीलाल सोनी नि. वार्ड 12 मानिक चौक	श्री रामकिशन सोनी पुत्र नारायणदास सोनी नि. मानिक चौक वार्ड 12	वार्ड क्रं.12	विक्रय पत्र	भवन क्रं. 144
24	152/2023 × 3/11	श्री रविन्द्र कुमार सगर पुत्र रमेश बाबू सगर नि. नया घन्श्यामपुरा वार्ड 03	श्रीमती राजकुमारी पत्नि श्री रमेश बाबू सगर नि. नया घन्श्यामपुरा वार्ड 03 गोंहद	वार्ड क्रं.03	सहमति पत्र, लिखितम विक्रय पत्र, शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र	दुकान क्रं. 160
25	153/2023 × 3/11	श्री कृष्ण लहारिया पुत्र श्री रणवीर सिंह लहारिया नि.गोहद	श्री राधाकृष्ण गोस्वामी पुत्र मायाराम गोस्वामी नि. विरगवां तह.व जिला भिण्ड	वार्ड क्रं.07	लिखितम विक्रय पत्र	भवन
26	154/2023 × 3/11	श्री गिर्राज किशोर मित्तल पुत्र रामजीदास नि.वार्ड क्रं.12 गोहद	श्री मोहनलाल गुप्ता पुत्र श्री सीताराम नि. वार्ड क्रं.12 गोहद	वार्ड क्रं.16	रजिस्ट्री, डायर्वसन खसरा, खतौनी	भूमि
27	155/2023 × 3/11	श्रीमती बसन्ती देवी पत्नि श्री शरद कुमार भटेले नि. वार्ड क्रं.15 कोट का कुआ मोहल्ला	श्री शरदकुमार भटेले पुत्र स्व.श्री प्रकाशचन्द्र भटेले नि. वार्ड क्रं.15 कोट का कुआ मोहल्ला	वार्ड क्रं.07	रजिस्ट्री,	दुकान
28	156/2023 × 3/11	श्रीलाल राठौर पुत्र रामसनेही नि. वार्ड क्रं.05 मौ रोड गोहद	श्री देवेन्द्र पुत्र माता प्रसाद नि. गोहद	वार्ड क्रं.16	रजिस्ट्री, डायर्वसन, भू–अधिकार पुस्तिका	भवन
29	157/2023 × 3/11	श्रीमती मीना पत्नि सुल्तान बेग नि. वार्ड क्रं. 09 खरौआ गेट गोहद	श्रीमती रामाबाई पत्नि श्री प्रीतमलाल नि.ग्राम अमलेहड़ा जिला भिण्ड	वार्ड क्रं.11	रजिस्ट्री	दुकान
30	158/2023 × 3/11	श्रीमती राजकुमारी पत्नि महेशकुमार नि.वार्ड क्रं. 05	श्री भोलाराम पुत्रगण नन्दराम श्री पातीराम पुत्रगण हरदेव नि. वार्ड 05	वार्ड क्रं. 05	भू–अधिकार पुस्तिका डायवर्सन	भवन
31	159/2023 × 3/11	श्रीमती भूरी देवी पत्नि श्री गिर्राजकिशोर नि.वार्ड क्रं. 18 काशीपुरा गोहद	श्री अरूण सिंह पुत्र स्व.श्री अनार सिंह नि.वार्ड क्रं.18 धर्मनगर गोहद चौराहा	वार्ड क्रं.18	रजिस्ट्री डायवर्सन	प्लाट

उपराजस्व निरीक्षक
नगर पालिका परिषद
गोहद जिला भिंड (मध्य प्रदेश)

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद
गोहद जिला भिंड (मध्य प्रदेश)

मध्य प्रदेश में संगठन का पुनर्गठन करेगी आम आदमी पार्टीप्रदेश अध्यक्ष रानी अग्रवाल ने पार्टी बैठक में बताई आगे की रणनीति कहा मध्य प्रदेश में हार के कारणों पर होगा मंथन

भोपाल, सिंगरौली। मध्य प्रदेश में आम आदमी पार्टी का खाता भले ही ना खुला हो लेकिन हम घर घर तक अरविंद केजरीवाल की दिल्ली और पंजाब की जन कल्याण योजनाओं का संदेश पहुंचने में सफल रहे हैं। यह बात आज सिंगरौली में मीटिंग के दौरान प्रदेश अध्यक्ष रानी अग्रवाल ने कही। उन्होंने कहा की मध्य प्रदेश में हम अपनी हार स्वीकार करते हुए पुनः संगठन निर्माण में ध्यान देंगे और जो खामियां थी उसे सुधारने की कोशिश करेंगे। वही पार्टी के कार्यकर्ता अब घर घर जा कर लोगों को दिल्ली और पंजाब की योजनाओं के बारे बताएंगे। वहीं उन्होंने यह भी स्पष्ट कर दिया की आम आदमी पार्टी को कमजोर ना समझा जाए। पार्टी मध्य प्रदेश में एक बड़ा विकल्प बन कर उभरेगी तथा मध्य प्रदेश में भी दिल्ली पंजाब की तरह सभी सुविधाएं लोगों तक पहुंचेगी। संगठन की बात पर उन्होंने कहा की कुछ फेरबदल की आवश्यकता है जिसे राष्ट्रीय नेतृत्व के साथ मिल कर बदला जाएगा तथा एक मजबूत टीम मध्य प्रदेश में तैयार की जायेगी।महंगाई के मुद्दे पर श्रीमती अग्रवाल ने कहा कि जहां लोगों का विश्वास कांग्रेस पार्टी नही जीत पाई वही भारतीय जनता पार्टी को एक मौका और दे कर जनता ने अंतिम अवसर के रूप में बीजेपी को चुना है, उन्होंने ने कहा कि नई चुनी सरकार अगर महंगाई पर लगाम नही लगा पाई तो आम आदमी पार्टी इसका पुरजोर विरोध करेगी। महिला सुरक्षा भी प्रदेश में बड़ा मुद्दा है। उन्होंने कहा महिला होने के नाते उनकी पैनी नजर इस पर रहेगी। मीटिंग के दौरान प्रदेश नेतृत्व के वरिष्ठ सदस्य उपस्थित थे।

राजिस्थान से मध्य प्रदेश पहुंची करणी सेना विरोध की आग बैरसिया में विरोध प्रदर्शन कर फांसी एवं एनकाउंटर की मांग को लेकर राज्यपाल के नाम एस डी एम को सौपा ज्ञापन

बैरसिया।। राजिस्थान के जयपुर में राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की बीते दिनों दिन दहाड़े उनके ऑफिस में घुसकर तीन आरोपियों ने गोली मारकर हत्या कर दी।जिसके बाद राजिस्थान के साथ साथ मध्य प्रदेश में भी विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया।बुधवार को बैरसिया में करणी सेना के अध्यक्ष सचिन सिंह सोलंकी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में राजपूत समाज के लोगो ने बस स्टैंड चौराहा पर जमकर विरोध प्रदर्शन किया और जमकर नारेबाजी की और आरोपियों को गिरफ्तार कर फांसी की सजा एवं एनकाउंटर की मांग को लेकर तहसील कार्यालय पहुंचे।तहसील कार्यालय में राज्यपाल के नाम एस डी एम को ज्ञापन सौपा।इस दौरान बैरसिया करणी सेना के अध्यक्ष सचिन सिंह सोलंकी ने कहा कि करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी सामाजिक एवं राष्ट्रहित में निरंतर सर्वोच्य भागीदारी करते रहे थे।क्या इस देश मे गैंगस्टरों का राज चल रहा है।इस हत्या के पीछे कौन है।इसकी निष्पक्ष सी बी आई जांच कराई जाए ।उन्होंने कहा कि सुखदेव सिंह गोगामेड़ी सर्व समाज के नेता थे।उनकी नृशंस हत्या की गई है।देश एवं प्रदेश में अपराधियों के हौसले बुलंद है।उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तार कर कार्रवाही नही की गई तो आने बाले दिनों में राजपूत करणी सेना पूरे देश मे उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।इस अवसर पर बड़ी संख्या में राजपूत समाज के लोग मौजूद थे।

रीवा पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह के द्वारा ली गई अपराध समीक्षा बैठक

रीवा पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह के द्वारा रीवा जिले के समस्त अनुविभागीय अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों की अपराध समीक्षा संबंधी बैठक ली गई, बैठक के दौरान भा.द.वि. , पॉक्सो एक्ट के अपराधों, महिलाओं पर घटित अपराधों, अनुसूचित जाति / जनजाति जाति अत्याचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत पंजीबद्ध अपराधों पर अंकुश लगाए जाने, पीडितों को शासन से प्राप्त होने की विधिक सहायता उपलब्ध कराने तथा सम्पत्ति संबंधी अपराधों में आरोपियों की पतासाजी, गिरफ्तारी व मशरूका बरामदगी किए जाने, सडक दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाए जाने के संबंध में प्रभावी कार्यवाही, सीएम हेल्प लाईन की शिकायतों का संतुष्टिपूर्वक निराकरण, नाबालिक बालक / बालिकाओं की शत् प्रतिशत् दस्तयाबी करने, लंबित अपराधों, मर्गो, शिकायतों, चलानी कार्यवाही की समीक्षा कर निराकरण कराए जाने के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए एवं टैबलेट के माध्यम से ई.विवेचना कार्यवाही करने के संबंध में निर्देश दिए गए है। साथ ही लघु अधिनियम व प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत अधिक से अधिक कार्यवाही करते हुए आरोपियों को बाउण्ड ओवर कराए जा

जहांगीरगंज से समाधि स्थल रामबाग घाट को जाने वाली सड़क बीच में टूट कर हुई जर्जर

अम्बेडकर नगर । जनपद के विधानसभा आलापुर अंतर्गत जहांगीरगंज क्षेत्र में सड़कों की हालत हो गई है बद से बदतर सड़कों का इस कदर टूट जाना बड़े-बड़े गड्ढे में तब्दील होना सड़क पर बड़े-बड़े बोल्डर उखड़कर बिखरे हुए हैं जहांगीरगंज बाजार से बाबा अवध दास समाधि स्थल रामबाग घाट जाने वाली सड़क बीच में बक?पुर से चंदनपुर तक इस कदर टूट गई है कि लोगों का पैदल चलना दुश्वार हो गया है घाघरा नदी के किनारे बना समाधि स्थल यहां के जनमानस का आस्था केंद्र है जहां हर रविवार को दूरदराज से लोग आकर सरयू में स्नान करते हैं समाधि बाबा पर पूजा अर्चना करते हैं बीच में सड़क टूट जाने की वजह से तीर्थ यात्रियों को आने-जाने में बड़ी दुशवारियां हो रही हैं क्षेत्र वासियों ने काफी दिनों से सड़क मरम्मत करने की मांग करते आ रहे हैं लेकिन प्रशासन द्वारा अनसुना कर दिया जाता है जिसकी वजह से यहां की जनता लगभग 3 वर्षों से झेल रही है इसी तरह हिसामुद्दीन पुर चौराहे से बड़ागांव जाने वाली नहर की पटरी जिस तरह बड़े-बड़े गड्ढे में तब्दील हो गई है बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं उसपर डाली गई गिट्टीया और बॉल्डर उखड़ गए हैं पैच नामोनिशान नहीं रह गया है जबकि उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी जी का कहना है गड्ढा मुक्त सड़क करने के लिए मेरा संकल्प है और पैसों की कोई कमी आ? नहीं आने देंगे उसके बावजूद भी अंबेडकर नगर जिले में लोक निर्माण विभाग द्वारा जहां भी मरम्मत कार्य या पैच कार्य कराए जा रहे हैं बहुत ही घटिया किस्म के कार्य हो रहे हैं हफ्ते भर नहीं बीत रहा सड़क की गिट्टीयां फिर से उखड़ कर तीतर बितर हो जा रही हैं अंबेडकर नगर के तेज तर्रार जिलाधिकारी अविनाश सिंह का ध्यान लोक निर्माण विभाग एवं सड़क मरम्मत का कार्य कर रहे ठेकेदारों की तरफ जनता करवाना चाह रही है ताकि कराए गए कार्य में पारदर्शिता आ सके पिछले वर्ष भी इस जिले में ऐसे ही सड़क मरम्मत कार्य घटिया किस्म से कराए गए थे जिसकी वजह से आज सड़कों की हालात बद से बदतर हो गई है जिसकी वजह से आलापुर की जनता को आज भुगतना पड़ रहा है

रीवा देहात विवेक लाल एवं एसडीओपी मऊगंज इंद्राज सिंह के मार्गदर्शन मे नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे हैं

पुष्पांजलि टुडे
पुष्पेंद्र सिंह सेगर
जिला ब्यूरो चीफ मऊगंज

पुलिस अधीक्षक मऊगंज श्री वीरेंद्र जैन के निर्देशन मे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मऊगंज श्री एमएल चौरसिया अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रीवा देहात विवेक लाल एवं एसडीओपी मऊगंज इंद्राज सिंह के मार्गदर्शन मे नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे हैं अभियान के दौरान दिनाँक 07.12.23 की शाम मुखबिर द्वारा सूचना मिली कि भक्तिनिया की तरफ से एक कार द्बश्च175स्त्र2230 अवैध मादक पदार्थ कोरेक्स ले कर आ रहे हैं जिसकी सूचना पर ग्राम भोलरा तिवारिगवां तिराहा के नाकाबंदी की गई थो?ी देर मे कार द्बश्च175स्त्र2230 गाडी आती दिखी जिसे रोका गया जिसमे से दो व्यक्ति

गाडी से उतर कर भागने लगे जिनको पक?ा गया संदेहियो को मुखबिर की सूचना से अवगत कराकर कार चेक किया जिसमे स?द बोरी मे कार्टून भरा मिले जिनको खोल कर चेक किया गया तो 10 कार्टून बोरी मे भरे मिले प्रत्येक कार्टून मे 120 सीसी ऑनरेक्स कफ सिरफ भरी मिली बरामद सुदा कुल 1200 सीसी कोडीन फास्फेट युक्त नशीली कफ सिरप तथा नशे के कारोबारी उनके सहयोगियों के संबंध में संदेहियो से पूछताछ कर दस्तावेज चाहे गए जो कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए आरोपियों का कृत्य धारा 8-21-22 ठ्ठस्त्रश्चह्य डुष्ह्ल 5/13 औषधि नियंत्रण अधिनियम के तहत दंडनीय पाए जाने से बरामद कोरेक्स की जप्ती की जाकर अपराध क्रमांक 428/23 कायम कर विवेचना में लिया गया *

गिरफ्तार आरोपी-1 सतेंद्र दुबे पिता संतोष कुमार दुबे निवासी बाल न्यायालय के पास बेलौहान टोला समान थाना समान 2.जीतेस गुप्ता पिता रामनरेश गुप्ता ज्योति स्कूल के पास नेहरू नगर थाना समान

जप्त मशरूका -1. 1200 सीसी ओनरेक्स कफ सिरप कीमती कुल कीमत 204000
2. ‹क्र गाडी क्रमांक 17ष्ठ2230 कीमती 900000 कुल कीमत 1104000 रूपए

सराहनीय भूमिका-थाना प्रभारी लौर निरीक्षक के.पी. त्रिपाठी, , उपनिरी राजेश कुमार पाण्डेय सउनि रमेश भारतीय आर. सुभाक सिंह, आर. अखिल सिंह, आर. भारत सिंह जामोद आर. रावेन्द्र बैस,

राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ की बैठक हुआ संपन्न

पुष्पांजलि टुडे
पुष्पेंद्र सिंह सेंगर
जिला ब्यूरो चीफ मऊगंज

राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ तहसील इकाई देवताओं की मासिक बैठक आज दिनांक 8.12.2023 समय 10ऱ्00 बजे दिन स्थान देवतालाब बाईपास श्री देवेंद्र मिश्रा की अध्यक्षता में हुई बैठक में तहसील देवतालाब कार्यकारिणी गठन हेतु प्रस्ताव किया गया की नई तहसील होने के कारण देवतालाब में नई कार्यकारिणी का गठन किया जाए असमयिक वर्षा से किसानों के खेत खलिहान को हुई नुकसान का शासन प्रशासन द्वारा सर्वे कराए जाने आवारा पशुओं पर रोक लगाई जाने पर भी चर्चा की गई बैठक में मुख्य रूप से जिला अध्यक्ष नरेंद्र बहादुर सिंह सेगर, जिला महामंत्री गिरीश पटेल, जिला उपाध्यक्ष देवेंद्र मिश्रा , रमेश साकेत , सूर्य प्रकाश मिश्रा , रविंद्र मिश्रा , एवं और किसान भाई उपस्थित रहे

धान खरीदी हेतु गोदाम एवं समिति स्तरीय केन्द्र निर्धारित

पुष्पांजली टुडे

रीवा। जिले में खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 के लिए उपार्जन का कार्य 19 जनवरी तक किया जा रहा है। विगत दो रबी एवं दो खरीफ उपार्जन में अंतर प्रतिशत 0.05 तक पात्र समितियों को शामिल करते हुए समर्थन मूल्य पर धान खरीदी हेतु गोदाम एवं समिति स्तरीय केन्द्र निर्धारित किए गए हैं। अपर कलेक्टर शैलेन्द्र सिंह से प्राप्त जानकारी के अनुसार तहसील मनगवां अन्तर्गत सूर्यकांत वेयरहाउस टिकुरी, प्रभा वेयरहाउस घूमा, शिल्पी वेयरहाउस तिवनी तथा ओम कामता वेयरहाउस सिसवा को खरीदी केन्द्र बनाया गया है। जबकि सिरमौर तहसील के शुक्ला वेयरहाउस उमरी को, सेमरिया के ब?गांव विश्वकर्मा वेयरहाउस प?रिया को, जवा के रिमारी समिति को, त्योंथर के मण्डी चाक, रायपुर, श्रीराम वेयरहाउस डीह एवं नौवस्ता, रायपुर कर्चुलियान के व्यौहरा एवं मनिकवार तथा हुजूर के विन्ध्या वेयरहाउस अनंतपुर एवं खौर समिति को खरीदी केन्द्र बनाया गया है। अपर कलेक्टर ने खरीदी केन्द्रों में उपार्जन की सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं।

मत्स्य समृद्धि योजना अन्तर्गत 2.85 लाख मत्स्य बीज का संचयन हुआ

पुष्पांजली टुडे

रीवा। गोविन्दगढ जलाशय में मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विभाग द्वारा मछुआरों के हित में मत्स्य समृद्धि योजनान्तर्गत 2.85 लाख मत्स्यबीज का संचयन किया गया। सहायक संचालक मत्स्य डॉ. अंजना सिंह ने बताया कि यह संचयन विभागीय तालाबों में कार्यरत मछुआ समिति के सदस्यों के जीवन यापन एवं रोजगार के लिए शासन द्वारा संचालित है। मछुआरों को हिदायत दी गई कि छोटे साईज के फंदे के जाल जलाशय में न लगायें सिर्फ ब?ी मछलियां का ही मत्स्याखेट करें। इस योजना का उद्देश्य मत्स्याखेट करने वाले मछुआरों के जीवन यापन एवं तालाब की जैवविविधता बरकरार रखना है।उल्लेखनीय है कि नदी/ जलाशय मत्स्य समृद्धि योजनान्तर्गत विभाग द्वारा प्रत्येक वर्ष मत्स्यबीज संचयन कराया जाता है। संचयन कार्यकम में मछुआ समिति के अध्यक्ष, नगर पंचायत गोविन्दग? के उपाध्यक्ष, मुख्य नगर पालिका अधिकारी गोविंदगढ़ तथा सुरंजन सिंह एवं अन्य स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

वाहनों में हाई सिक्योरिटी नम्बर प्लेट लगाना अनिवार्य

हाई सिक्योरिटी नम्बर प्लेट लगाने के लिए ऑनलाइन कर सकते हैं आवेदन

पुष्पांजली टुडे

रीवा। वाहनों की चोरी को रोकने तथा प्रत्येक वाहन की यूनिक पहचान सुनिश्चित करने के लिए हाई सिक्योरिटी नम्बर प्लेट लगाए जा रहे हैं। इस संबंध में जिला परिवहन अधिकारी मनीष त्रिपाठी ने बताया कि एक अप्रैल 2019 के बाद खरीदे गए सभी वाहनों में हाई सिक्योरिटी नम्बर प्लेट लगाई गई हैं। इसके पूर्व पंजीकृत वाहनों में माननीय उच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुसार 15 दिसम्बर तक हाई सिक्योरिटी नम्बर प्लेट लगाना अनिवार्य है। परिवहन कार्यालय द्वारा अधिकृत एजेंसियों तथा दुकानों में निर्धारित राशि जमा करके हाई सिक्योरिटी नम्बर प्लेट लगवाई जा सकती है। इसके साथ-साथ सभी वाहन मालिकों को घर बैठे ऑनलाइन यह सुविधा प्रदान की जा रही है। इसके लिए गूगल में जाकर बुक माई एचएसआरपी डॉट कॉम लिखें। इसको इंटर करने के बाद रजिस्ट्रेशन की खि?की खुल जाएगी। इसमें हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट विद कलर स्टीकर बॉक्स में जाकर बुक पर क्लिक करें। इस पर क्लिक करने के बाद बुकिंग के संबंध में विस्तृत जानकारी का फार्म उपलब्ध होगा। इसमें राज्य का नाम, गा?ी का पंजीयन नम्बर, चेसिस नम्बर, इंजन नम्बर और कैप्चा भरकर क्लिक करें। इसके बाद कुछ अन्य जानकारियाँ भरने के लिए वाहन के पंजीयन के अनुसार उनका चुनाव करें। इसमें वाहन के मालिक का नाम, ईमेल आईडी, मोबाइल नम्बर गा?ी जहाँ से खरीदी गई है उस संस्थान का पता आदि दर्ज करना होगा। पूरी जानकारी दर्ज करने के बाद इंटर करने पर दिए गए मोबाइल नम्बर पर ओटीपी आएगा। ओटीपी को निर्धारित स्थान पर दर्ज करना होगा। इसके बाद वाहन मालिक को अपने निकट के डीलर या दुकान का विवरण दिखाई देगा। जिसमें से किसी एक का उसे चयन करना होगा। चयन करने के बाद वाहन मालिक को नम्बर प्लेट लगाने का दिन और समय दर्शाया जाएगा। इसे कन्फर्म करके प्रोसीड पर क्लिक करें। ऑनलाइन निर्धारित राशि का भुगतान कर प्रिंट प्राप्त करें। दिए गए समय पर निर्धारित दुकान में जाकर अपने वाहन में हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट लगवाएं।

नेशनल लोक अदालत का आयोजन आज,नेशनल लोक अदालत में 44 खण्डपीठों में होगी प्रकरणों की सुनवाई

पुष्पांजली टुडे

रीवा।. मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुबोध कुमार जैन के मार्गदर्शन में 9 दिसम्बर को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। इसमें आपसी सुलह से प्रकरणों का निराकरण किया जायेगा। प्रकरणों की सुनवाई के लिए 44 खण्डपीठें गठित की गयी हैं। इनमें पीठासीन अधिकारी तथा सहयोग देने के लिए सुलहकर्ता सदस्य तैनात किये गये हैं। जिला न्यायालय परिसर रीवा के साथ-साथ तहसील न्यायालय सिरमौर, त्योंथर, मऊगंज एवं हनुमना में भी लोक अदालतों का आयोजन किया जा रहा है। जिला न्यायालय में 29 पीठ, तहसील विधिक सेवा समिति मऊगंज में 5 खण्डपीठ, सिरमौर में 5 खण्डपीठ, त्योंथर में 3 खण्डपीठ एवं तहसील विधिक सेवा समिति हनुमना में 2 खण्डपीठ गठित की गयी हैं। लोक अदालत के दीवानी, फौजदारी, पारिवारिक विवाद, मोटर दुर्घटना क्षतिपूर्ति (क्लेम), 138 चेक बाउंस, विद्युत, श्रम, भू-अर्जन, नगर पालिका निगम, प्री लिटिगेशन प्रकरण निराकरण के लिए रखे जायेगें।नेशनल लोक अदालत में प्रकरणों के निराकरण के लिए खण्ड पीठ क्रमांक एक में विशेष न्यायाधीश श्री सुरेन्द्र कुमार, खण्डपीठ क्रमांक 2 में जिला न्यायाधीश श्री विक्रम सिंह, खण्डपीठ क्रमांक 3 में जिला न्यायाधीश श्री रमेश रंजन चौबे, खण्डपीठ क्रमांक 4 में जिला न्यायाधीश श्री देवेन्द्र सिंह पाल, खण्डपीठ क्रमांक 5 में जिला न्यायाधीश श्रीमती पदमा जाटव, खण्डपीठ क्रमांक 6 में जिला न्यायाधीश श्री केशव सिंह, खण्डपीठ क्रमांक 7 में जिला न्यायाधीश श्री आनंद गौतम तथा खण्डपीठ क्रमांक 8 में जिला न्यायाधीश श्री प्रवीण पटेल को तैनात किया गया है। इसी तरह खण्डपीठ क्रमांक 9 में जिला न्यायाधीश दिलीप सिंह, खण्डपीठ क्रमांक 10 में न्यायाधीश श्री विवेकानंद त्रिवेदी, खण्डपीठ 11 में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री रूपसिंह कनेल, खण्डपीठ 12 में न्यायाधीश श्रीमती प्रीतिशिखा अग्निहोत्री प्रकरणों की सुनवाई करेंगी। इसी प्रकार खण्डपीठ 13 में न्यायाधीश श्री देवदत्त, खण्डपीठ 14 में न्यायाधीश श्री अक्षत तयाल, खण्डपीठ 15 में न्यायाधीश श्रीमती पद्मिनी सिंह, खण्डपीठ 16 में न्यायाधीश श्री सचिन साहू, खण्डपीठ 17 में न्यायाधीश श्री ललित कुमार मई?ा, खण्डपीठ 18 में न्यायाधीश सुश्री अंजली अग्रवाल, खण्डपीठ 19 में न्यायाधीश श्री अमित सिंह धुर्वे, खण्डपीठ 20 में सुश्री अदिति अग्रवाल, खण्डपीठ 21 में कनिष्ठ खण्ड न्यायाधीश सुश्री स्वाती रघुवंशी, खण्डपीठ क्रमांक 22 में कनिष्ठ खण्ड न्यायाधीश सुश्री चेतना झारिया, खण्डपीठ 23 में कनिष्ठ खण्ड न्यायाधीश श्री संजीव रहंगडाले, खण्डपीठ 24 में न्यायाधीश श्रीमती मीनल गजवीर, खण्डपीठ 25 में न्यायाधीश श्री अजय कुमार नागेश प्रकरणों की सुनवाई करेंगे। खण्डपीठ क्रमांक 26 कुटुम्ब न्यायालय में प्रधान न्यायाधीश श्री शिवकांत, खण्डपीठ 27 में अध्यक्ष जिला उपभोक्ता परिषद श्री सुदीप कुमार श्रीवास्तव, खण्डपीठ 28 औद्योगिक न्यायालय में न्यायाधीश श्री केके मिश्रा तथा खण्डपीठ 29 श्रम न्यायालय में श्री अमित नगाइच स्वयं के न्यायालय के प्रकरणों की सुनवाई करेंगे।मऊगंज न्यायालय परिसर में खण्डपीठ 30 में प्रथम जिला न्यायाधीश श्री आदेश कुमार जैन, खण्डपीठ क्रमांक 31 में व्यवहार न्यायाधीश श्री साजिद मोहम्मद, खण्डपीठ 32 में व्यवहार न्यायाधीश श्रीमती गीता उइके, खण्डपीठ 33 में व्यवहार न्यायाधीश श्री राहुल कुमार नामदेव तथा खण्डपीठ 34 में न्यायाधीश श्री आशीष मिश्रा प्रकरणों की सुनवाई करेंगे। तहसील न्यायालय परिसर सिरमौर में खण्डपीठ क्रमांक 35 में अपर जिला न्यायाधीश संतोष चौहान, खण्डपीठ क्रमांक 36 में अपर जिला न्यायाधीश श्री संजय वर्मा, खण्डपीठ क्रमांक 37 में व्यवहार न्यायाधीश श्री हीरालाल अलावा, खण्डपीठ क्रमांक 38 में व्यवहार न्यायाधीश श्री अमित कुमार शर्मा तथा खण्डपीठ क्रमांक 39 में व्यवहार न्यायाधीश श्री अल्तमश रहमान प्रकरणों की सुनवाई करेंगे। तहसील न्यायालय परिसर त्योंथर में खण्डपीठ क्रमांक 40 में जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश श्री योगराज उपाध्याय, खण्डपीठ क्रमांक 41 में व्यवहार न्यायाधीश सुश्री वंदना सोनी तथा खण्डपीठ क्रमांक 42 में व्यवहार न्यायाधीश सुश्री मोहिनी भदौरिया प्रकरणों की सुनवाई करेंगी। तहसील न्यायालय परिसर हनुमना में खण्डपीठ क्रमांक 43 में न्यायाधीश श्री विनोद कुमार चौधरी तथा खण्डपीठ 44 में न्यायाधीश श्रीमती कीर्ति दुबे प्रकरणों की सुनवाई करेंगी।

विधायक केशब देसाई ने करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चित्र पर माल्यार्पण कर दी श्रद्धांजलि

दैनिक पुष्पाजलि टुडे

गोहदन्नव निर्वाचित विधायक केशव देशाई एवं कांग्रेस के कार्यकर्ताओं द्वारा राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेडी जी के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की राजस्थान में करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेडी की बेरहमी से की गई हत्या कर दी थी जिसके विरोध में क्षत्रिय समाज के द्वारा दिनांक 7 दिसम्बर को जगह-जगह श्रद्धांजलि सभा एवं विशाल रैली का आयोजन किया गया सुखदेव सिंह गोगामेडी की घर में घुसकर बेरहमी से की गई हत्या से पूरे हिंदुस्तान के क्षत्रिय समाज में भयंकर आक्रोश थासुखदेव सिंह गोगामेडी को न्याय दिलाने के लिए आंदोलन भी हुआ हालांकि क्षत्रिय समाज की मांगों को स्वीकार कर लिया गया है राष्ट्रीय अध्यक्ष की हत्या की दुखद घटना की कड़ी निन्दा करते हुए विधायक केशव देशाई ने गोहद गोलंबर तिराहा स्थित बंगले पर राष्ट्रीय अध्यक्ष के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए 2 मिनट का मौन धारण किया इस दौरान विधायक ने कहा राष्ट्रीय अध्यक्ष के हत्या होना एक बहुत दुखद घटना है घटना में आए हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोगामेडी के परिवार जनों को ईश्वर शांति प्रदान करें इस दौरान विधायक केशव देशाई,डॉ अमर सिंह जाटव, पंजाब सिंध गुर्जर, बबलू बरैया,जनपद सदस्य संजय सिंह, राकेश तोमर,महावीर बाथम , अनुराग शुक्ला,पिंकी उच्चाडिया ,गुटटी शर्मा सहित पार्टी के कार्यकर्ता एवं पदाधिकारियों ने श्रद्धांजलि अर्पित की और दो मिनट का मौन धारण किया

अपर कलेक्टर अशोक कुमार ओहरी ने किया कई कार्यालयों का निरीक्षण

पुष्पांजलि टुडे
पुष्पेंद्र सिंह सेंगर
रिपोर्टर मऊगंज

मऊगंज-- अपर कलेक्टर जिला मऊगंज अशोक कुमार ओहरी ने कई कार्यालय का आकस्मिक निरीक्षण किया जिसमें उन्होंने वेयरहाउस मऊगंज खरीदी केंद्र पाडर एवं मऊगंज का निरीक्षण किया तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिए वहीं पीडीएस खाद्यान्न मऊगंज का आकस्मिक निरीक्षण किया तथा हितग्राहियों को मिलने वाले राशन की जानकारी ली ।खाद गोदाम मऊगंज का निरीक्षण किया गया एवं किसानों से चर्चा की तथा खाद की पर्याप्त मात्र की जानकारी ली गई एवं साफ सफाई के संबंध में संबंधित को निर्देश दिए गए वहीं अपर कलेक्टर द्वारा उप जेल मऊगंज में आकस्मिक निरीक्षण कर कैदियों से चर्चा की एवं वहां पर मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी ली तथा जेल के अंदर बने पाकशाला बगीचा को देखा

जरूरत बच्चों को शिक्षण साम्रगी का किया वितरण

दैनिक पुष्पाजंली टुडे

बेंगलूरू । गोरीपालीया स्थित दोडम्मा देवी देवस्थान में आयोजित कार्यक्रम में महेंद्र मुणोत ने देवी मां की विशेष पूजा अर्चना कर अपने वक्तव्य में कहां अहिंसा, प्रेम, सेवा, परोपकार धर्म का असली स्वरूप है। उन्होंने जरूरतमंद बच्चों में शिक्षण सामग्री वितरित की। देवस्थान के प्रकाश एवं अन्य सदस्यों ने मुणोत को सम्मानित किया।

राशन कार्ड धारकों के हक पर खुलेआम डाका,हमें ऊपर तक मैनेज करना पड़ता है :कोटेदार

अम्बेडकर नगर।सरकार की महत्वाकांक्षी योजना (प्रत्येक परिवार तक फ्री राशन पहुंचाना) को कोटेदार खुलेआम पलीता लगाने में जुट गया है। कोटेदार अपना पेट भरने के लिए गरीबों का राशन चट कर जा रहा है।पूरा मामला जलालपुर ब्लाक अंतर्गत ग्राम सभा रुकुनुद्दीन पुर का है , कोटेदार राम मूरत वर्मा राशन कार्ड धारकों के हक पर खुलेआम डाका डालने का कार्य कर रहे हैं ।राशन कार्ड धारको के अनुसार लाल कार्ड धारको को 32 किलो राशन और 1 किलो 800 ग्राम चीनी मात्र वितरण किए हैं ,वहीं पर पात्र गृहस्ती वाले राशन कार्ड धारकों को जिनके पास 3 यूनिट है उनको 15 किलो राशन के बजाय 12 किलो राशन, जिनके पास 5 यूनिट है उनको 25 किलो राशन के बजाय 22 किलो राशन, जिनके पास 6 यूनिट है उनको 30 किलो राशन के बजाय 26 किलो राशन , जिनके पास 7 यूनिट है उनको 35 किलो राशन की बजाय 30 किलो मात्र राशन वितरण कर रहे हैं । राशन

कार्ड धारकों ने संवाददाता के सामने बयान किया कि प्रत्येक माह हम लोगों को मात्र इतना ही राशन देते हैं और जब हम अपने हक की बात करते हैं तो हमको डांट कर भगा देते हैं । कोटेदार की पहुंच ऊपर तक होने के कारण कोटेदार अपनी दबंगई राशन कार्ड धारकों के ऊपर दिखता है।जब इस मामले को लेकर संवाददाता ने कोटेदार से बातचीत की तो कोटेदार ने कहा कि हमें ऊपर तक मैनेज करना पड़ता है । हम अगर राशन कार्ड धारको के हक में से 4 किलो से 5 किलो 6 किलो तक का राशन नहीं काटेंगे तो हम ऊपर तक कैसे मैनेज कर पाएंगे। संवाददाता ने जब नारायणपुर पुर्वे, हुसैनपुर पुर्वे ,रुकुनुद्दीन पुर, शरीफ पुर में जाकर पड़ताल किया तो मामला उजागर हुआ कि सभी राशन कार्ड धारकों के साथ कोटेदार खुले आम छोटे कार्ड धारक जिनके पास यूनिट कम है उनसे 3 किलो , बड़े कार्ड धारक जिनके पास यूनिट ज्यादा है उनसे 5 से 6 किलो तक राशन काटने का कार्य कर रहे हैं और लाल कार्ड धारक जो निस्हाय परिवार है उसे 35 किलो के बजाय 32 किलो राशन दे रहे हैं यहां तक की राशन कार्ड धारको ने बताया कि जब मैं राशन घर पर लाकर तौलती हूं तो 32 किलो के बजाय 30 किलो 31 किलो तक ही आता है चीनी कोटेदार ने 2 किलो कह कर दिया है परंतु जब घर पर तौला गया तो 1 किलो 800 ग्राम ही आया ,2 किलो चीनी के लिए ?40 नगद भुगतान कर कोटेदार वितरण कर रहे हैं। जबकि शासन प्रशासन की मंशा है कि प्रत्येक कार्डधारकों को फ्री में यूनिट के आधार पर पूरा-पूरा राशन दिया जाए और अंत्योदय कार्ड धारकों को 35 किलो राशन के साथ 3 किलो चीनी?54 की कीमत लेकर वितरण किया जाय। कोटेदार खुलेआम कह रहा है कि हम यदि शासन की मंशा अनुसार सभी कार्ड धारकों को वितरण कर देंगे तो हम ऊपर तक कैसे मैनेज करेंगे। अब यह जांच का विषय है कि अगर सरकार की मंशा हम सभी कार्डधारकों तक फ्री में राशन पहुंचना है तो यह बीच में कोटेदार उनके हक पर कैसे डाका डाल रहा है, क्या कोटेदार का कहना सत्य है कि हमें ऊपर तक मैनेज करना है ,इसलिए हम 3 किलो से लेकर 6 किलो तक कटौती कर रहे हैं यह प्रश्न बना हुआ है।

संकेत जो बताते हैं कि आपका पार्टनर है नार्सिसिस्ट, ऐसे करें उन्हें डील

नार्सिसिस्ट बिहेवियर यानी आत्ममुग्ध। ऐसे व्यक्ति जिन्हें अपने आगे कोई नहीं दिखता उनके लिए खुद से बढ़कर कोई नहीं होता। इस चक्कर में कई बार वो अपने आसपास के लोगों को हर्ट करते रहते हैं। ऐसे लोगों के साथ रिलेशनशिप में रहना बहुत ही बड़ा चैलेंज होता है। आइए जानते हैं नार्सिसिस्टिक लोगों को कैसे पहचाना जा सकता है।

अपने मुंह मियां मिठ्ठू बनना% ये मुहवरा तो आपने सुना ही होगा, बस इसका ही उदाहरण होते हैं नार्सिसिस्टिक यानी आत्ममुग्ध लोग। हममें से ज्यादातर लोगों के आसपास ऐसे जरूर कुछ लोग होंगे, जिन्हें अपने आगे कुछ सूझता ही नहीं। उनकी आदत होती है हर वक्त अपने आपको को बेहतर दिखाने की। उनकी दुनिया बस अपने ही इर्द-गिर्द घूमती है। खुद के मुंह से तो अपनी तारीफ करते ही रहते हैं, साथ ही दूसरों से भी अपनी जबरदस्ती तारीफ करवाते रहते हैं। ऐसे लोगों के साथ रहना चुनौती भरा हो सकता है। अगर आपका पार्टनर भी इस स्वभाव का है, तो उसके साथ जिंदगी बिताने का फैसला जरा सोच-समझकर लें।

क्या है नार्सिसिस्टक बिहेवियर?

नार्सिसिस्टिक पर्सनैलिटी डिसऑर्डर (NPD) एक अजीब सी मेंटल कंडीशन है। इस डिसऑर्डर में व्यक्ति खुद को बहुत आकर्षक समझता है और हर वक्त सेंटर ऑफ अट्रैक्शन बने रहना चाहता है। बेमतलब के नखरे, ओवर कॉन्फिडेंस का दिखावा करके वो अपनी बात मनवाने की कोशिश करते हैं।

संकेतों जो बताते हैं आपका पार्टनर है नार्सिसिस्टक

1 अपना ही गुणगान करना

आत्ममुग्ध लोगों की धारणा होती है कि वो इस दुनिया में बहुत ही स्पेशल हैं। उनकी हर इच्छा पूरी होनी चाहिए। इस सोच के चलते वो लोगों से लड़ाई करने में भी पीछे नहीं रहते।

2. तारीफ के भूखे

नार्सिसिस्टिक पर्सनैलिटी डिसऑर्डर का शिकार लोग हर वक्त तारीफ के भूखे रहते हैं। उन्हें अपनी तारीफ सुनकर अलग ही लेवल की संतुष्टि मिलती है। अगर आप खुद से उनकी तारीफ नहीं करते, तो वो किसी न किसी बहाने और बातों से ऐसा आपसे करवाते हैं।

3. दूसरों के प्रति बुरा बर्ताव

जैसा कि इन्हें अपने में ही रहना पसंद है, तो जाहिर सी बात है इन्हें दूसरों की फीलिंग्स से कोई मतलब नहीं होता। पार्टनर का ऐसा बिहेवियर आपके रिलेशनशिप के लिए खराब हो सकता है। क्योंकि इस तरह का व्यक्ति खुशी में या दुख में आपके बारे में नहीं, बल्कि अपने बारे में पहले सोचेगा, तो जरा सोचिए कहां ही झेल पाएंगे इन्हें।

4. अपने आपको खास समझना

नार्सिसिस्टों लोगों का मानना होता है कि उन्हें एकदम स्पेशल ट्रीटमेंट मिलनी चाहिए क्योंकि वो दूसरों से अलग हैं और जब उनकी इस चाहत को सामने वाला व्यक्ति पूरा नहीं करता, तो जाहिर सी बात है वो नाराज होकर, जिद् करके उससे ऐसा करवाते हैं।

अगर आपके पार्टनर का भी बिहेवियर है ऐसा, तो जल्द से जल्द कर लें उनसे तौबा।

पर 2024 की कोई गारंटी नहीं है!

यहीं इंडिया मंच महत्वपूर्ण हो जाता है। लेकिन, उसे इन चुनावों से कुछ जरूरी सबक सीखने होंगे। सबसे जरूरी सबक तो यही है कि भाजपाविरोधी ताकतों की एकजुटता किसी भी कीमत पर कायम होनी ही चाहिए। इन विधानसभाई चुनावों से नकारात्मक सबक लेने ही होंगे। बेशक, यह कसरत भी दिलचस्प हो सकती है कि इंडिया के संभावित सहयोगियों के वोट का एक साथ पड़ना, इस चुनाव में भी भाजपा को कितनी सीटें भेंट करने से बचा सकता था।आम चुनाव से ठीक पहले के विधानसभाई चुनावों के चक्र में प्रभावशाली जीत के बाद, भाजपा ने इन चुनावों को सिर्फ सेमीफाइनल ही नहीं, उससे आगे बढ़कर एक प्रकार से फाइनल भी कहना शुरू कर दिया है। मतगणना के ही दिन, 3 अक्टूबर को देर शाम, नई-दिल्ली में भाजपा के केंद्रीय कार्यालय में आयोजित विजय सभा में अपने संबोधन में खुद प्रधानमंत्री ने जिस तरह तीन राज्यों की जीत को, 2024 के चुनाव की (जीत की) गारंटी बताया है, इसी का इशारा करता है। आने वाले दिनों में बार-बार चुनाव के इस चक्र की जीत को, 2024 के चुनाव में मोदी की शानदार जीत का संकेतक साबित करने की कोशिश नहीं की जा रही हो, तभी हैरानी की बात होगी। बहरहाल, इस संदर्भ में, संक्षेप में यह याद दिला देना उपयोगी रहेगा कि इस चक्र के नतीजे और उसमें भी खासतौर पर हिंदी पट्टी के तीन राज्यों–राजस्थान, मध्य प्रदेश तथा छत्तीसगढ़–के नतीजे, ठीक-ठीक क्या कहते हैं और क्या नहीं कहते हैं।

यह निर्विवाद है कि इस चुनाव में तीनों हिंदीभाषी राज्यों में भाजपा को जोरदार जीत हासिल हुई है और आम तौर पर विपक्ष को और खासतौर पर कांग्रेस को तगड़ा झटका लगा है। भाजपा ने 2018 के चुनाव के इसी चक्र के नतीजों को पूरी तरह से पलटते हुए, इन तीनों राज्यों में दोबारा सत्ता पर कब्जा ही नहीं कर लिया है, उस मध्य प्रदेश में भी उसने शानदार जीत दर्ज कराई है, जहां 2018 की हार के करीब डेढ़ साल बाद, दलबदल के जरिए उसने फिर से सत्ता हासिल कर ली थी और इस तरह इस बार चुनाव के समय उसकी ही सरकार थी। इस तरह, भाजपा ने इन तीन राज्यों में अपनी राज्य सरकारों की संख्या एक से बढ़ाकर तीन ही नहीं कर ली है, उसने सारे पूर्वानुमानों को झुठलाते हुए मध्य प्रदेश में अपनी सीटों की संख्या में, 2018 के मुकाबले 54 की बढ़ोतरी कर, 163 सीटें हासिल कर ली हैं और छत्तीसगढ़ में अपनी सीटों में 39 की बढ़ोतरी कर, कुल 54 सीटों पर कब्जा कर लिया है। राजस्थान में भी, बहुत अप्रत्याशित नहीं होते हुए भी, उसने अपनी सीटों में 42 की बढ़ोतरी कर, कुल 115 सीटों पर जीत दर्ज कराई है, जिसे प्रभावशाली बहुमत तो जरूर कहा जाएगा।लेकिन, इतना ही नहीं है। मध्य प्रदेश में भाजपा ने अपने मत फीसद में 7.5 फीसद की बढ़ोतरी के साथ, कुल 48.6 फीसद वोट हासिल किए हैं। इसी प्रकार, छत्तीसगढ़ में उसने 13.3 फीसद की बढ़ोतरी के साथ, 46.3 फीसद वोट हासिल किए हैं। यहां तक कि राजस्थान में भी उसने 2.9 फीसद की बढ़ोतरी के साथ कुल 41.7 फीसद वोट हासिल किए हैं। छत्तीसगढ़ तथा मध्य प्रदेश में मत फीसद में भारी बढ़ोतरी और राजस्थान में भी कुछ बढ़ोतरी का, 2024 के चुनाव के लिए एक स्पष्ट संकेत है जो किसी को भी नहीं भूलना चाहिए। भाजपा हिंदीभाषी क्षेत्र में अब भी अपना वोट बढ़ा पा रही है। और मोटे तौर पर उसका वोट 45 फीसद से करीब तक पहुंच गया है।दूसरी ओर, इस चुनाव में आमतौर पर विपक्ष के और खासतौर पर कांग्रेस के हाथों से दो राज्यों–राजस्थान और छत्तीसगढ़–की सत्ता चली गई है। यह धक्का इसलिए और भी बड़ा है कि इसके बाद कांग्रेस के पास बिहार में महागठबंधन सरकार में हिस्सेदारी के अलावा, हिंदीभाषी क्षेत्र में सिर्फ हिमाचल की सरकार रह गई है। इसी प्रकार, मध्य प्रदेश में कांग्रेस पिछले चुनाव के मुकाबले 48 सीटें गंवाकर मात्र 66 सीटों पर आ गई है, जबकि छत्तीसगढ़ में 33 सीटें गंवाकर 35 पर और राजस्थान में 31 सीटें गंवाकर, 70 पर ही सिमट गई है। धक्का बेशक बड़ा है। इसके बावजूद, यह नहीं भूलना चाहिए कि चुनाव नतीजों से आम तौर पर जल्दी में जो नतीजा निकाल लिया गया है और धारणा बना ली गई है उसके विपरीत, 2018 के चुनाव के मुकाबले जब इन तीनों ही राज्यों में कांग्रेस ने जीत हासिल की थी, इस चुनाव में भी कांग्रेस ने अपना वोट कमोबेश बनाए ही रखा है। मध्य प्रदेश की जबर्दस्त हार के बावजूद, कांग्रेस के वोट में सिर्फ 0.5 फीसद की कमी हुई है और उसने 40.4 फीसद वोट हासिल किए हैं, जबकि राजस्थान में उसके वोट में 0.1 फीसद की मामूली बढ़ोतरी ही हुई और उसकी झोली में 39.7 फीसद वोट आए हैं। छत्तीसगढ़ में भी कांग्रेस के वोट में 0.8 फीसद की कमी हुई है और उसके हिस्से में 42.2 फीसद वोट आए हैं।कहने की जरूरत नहीं है कि इन तीनों राज्यों में भाजपा के वोट में जो भी बढ़ोतरी हुई है (जो मध्य प्रदेश तथा छत्तीसगढ़ में भारी बढ़ोतरी कही जाएगी) और उसकी सीटों में उससे भी बढ़कर जो बढ़ोतरी हुई है, उसके पीछे %अन्य' राजनीतिक खिलाड़ियों के निचोड़े जाने की ही कहानी है। मध्य प्रदेश में अन्य के खाते में, जिसमें बसपा, सपा तथा गोंडवाना गणतंत्र पार्टी शामिल हैं, वोट पूरे 7 फीसद घटकर 11 फीसद पर आ गया और सीटें 6 की कमी के साथ सिर्फ 1 पर आ गईं। इसी प्रकार, छत्तीसगढ़ में इस श्रेणी का मत फीसद पूरे 12.5 फीसद की गिरावट के साथ 11.5 फीसद पर ही आ गया और सीटों का आंकड़ा 6 की कमी के साथ सिर्फ 1 पर। इसमें सपा, बसपा, गोंगपा आदि के अलावा अजीत जोगी की पार्टी भी शामिल थी। राजस्थान में ही अन्य के वोट में 3 फीसद की अपेक्षाकृत थोड़ी कमी ही आई है, हालांकि इस श्रेणी में शामिल पार्टियों की सीटों की संख्या पूरे 12 की कमी के साथ, 14 पर आ गई है। इस तरह, मोटे तौर पर अन्य की श्रेणी में आने वाली राजनीतिक ताकतों की कीमत पर ही भाजपा ने इस चुनाव में अपनी प्रभावशाली जीत दर्ज कराई है।न चुनावों में भाजपा की जीत और कांग्रेस व विपक्ष की हार की गंभीरता को कम नहीं करते हुए भी, इन नतीजों से एक बात आसानी से समझी जा सकती है। इन राज्यों के नतीजों के संदर्भ से, 2024 के आम चुनाव के नतीजे की गारंटी कोई नहीं कर सकता है। बेशक, इस चुनाव में भाजपा का पलड़ा भारी रहा है और पर्याप्त भारी रहा है, लेकिन यह भी सच है कि तीनों राज्यों में उसके सामने मुकाबले के लिए एक अच्छी-खासी ताकत थी। और यह ताकत, जो 2018 से 2023 के बीच के पांच सालों में लगभग जस की तस बनी रही है, अगले चुनाव तक भी आसानी से इधर-उधर होने नहीं जा रही है। इतना ही बड़ा सच यह भी है कि भाजपा का वोट 45 फीसद के करीब तक पहुंचने के बावजूद, अब भी वोट का स्पष्ट बहुमत उसकी पकड़ से बाहर है। और महत्वपूर्ण बात यह है कि एक मजबूत कोर भी मौजूद है, जिसके गिर्द यह गैर-भाजपा वोट जमा हो सकता है। और अगर यह वोट एक जगह जमा हो जाए, तो हिंदीपट्टी में भी भाजपा को पछाड़ा जा सकता है। शेष भारत को मिलाकर उसे पछाड़ना तो और भी आसान होना चाहिए क्योंकि तेलंगाना के हाल के नतीजों से साफ है कि दक्षिण और पूर्व (उत्तर-पूर्व से भिन्न) पूरी तरह से पहले ही उसके दबदबे से बाहर हैं।

यहीं इंडिया मंच महत्वपूर्ण हो जाता है। लेकिन, उसे इन चुनावों से कुछ जरूरी सबक सीखने होंगे। सबसे जरूरी सबक तो यही है कि भाजपाविरोधी ताकतों की एकजुटता किसी भी कीमत पर कायम होनी ही चाहिए। इन विधानसभाई चुनावों से नकारात्मक सबक लेने ही होंगे। बेशक, यह कसरत भी दिलचस्प हो सकती है कि इंडिया के संभावित सहयोगियों के वोट का एक साथ पड़ना, इस चुनाव में भी भाजपा को कितनी सीटें भेंट करने से बचा सकता था। ऐसी सीटों की संख्या अच्छी-खासी होगी।उम्मीद है कि इन चुनावों की पृष्ठभूमि में होने वाली इंडिया की पहली बैठक से ही, गठबंधन की सिलवटों को दूर करने के लिए गंभीरता से काम शुरू होगा। यही नहीं, इंडिया के साथ खड़ी ताकतों के दायरे को अधिकतम फैलाने के और नागरिक-सामाजिक संगठनों तथा ऐसी ही तमाम ताकतों को साथ लाने के सक्रिय प्रयास करने होंगे। दूसरा महत्वपूर्ण सबक यह होना चाहिए कि विपक्ष का नैरेटिव पूरी तरह से बेअसर तो नहीं है, पर उसे जनता की जिंदगी के वास्तविक मुद्दों से जोड़कर और धारदार और असरदार बनाए जाने की जरूरत है, जिससे मोदी राज की वैधता को चुनौती दी जा सके और उसे जनता के सामने बेनकाब किया जा सके।

आम चुनाव तक के चार-पांच महीने का समय इस सबके लिए बहुत थोड़ा भी नहीं है। अपनी मुंबई बैठक के फौरन बाद इंडिया गठबंधन जिस तरह से गति पकड़ रहा था, उस गति को दोबारा लाया जा सकता है, लाना ही होगा। विधानसभा चुनाव के इस चक्र का सबक यह भी है कि 2024 के चुनाव में, मोदी मैजिक के वास्तविक मुकाबले की स्थितियां बनाना इतना मुश्किल भी नहीं है। जीत की ये हैट्रिक अपनी जगह, 2024 में मोदी के आने की कोई गारंटी नहीं है।

संपादकीय

कांग्रेस की कठिनाइयां और गुंजाइशें

चार राज्यों के विधानसभा चुनावों के रविवार को निकले नतीजों में कांग्रेस के हिन्दी पट्टी राज्यों में हुए पराभव से यह साफ है कि उसकी आगे की राह पहले के मुकाबले कहीं अधिक कठिन हो चली है। नवम्बर में विभिन्न चरणों में हुए चुनावों के बाद इनके परिणाम जब निकले तो उसकी छत्तीसगढ़ और राजस्थान की सरकारें छिन चुकी थीं और जिस मध्यप्रदेश को वह भारतीय जनता पार्टी से झटक लेने की मानसिकता में थी, वह भी हाथ नहीं आया। यह सच है कि भारत राष्ट्र समिति को हरा कर दक्षिण भारत का तेलंगाना उसकी झोली में आया है जो एक बड़ी उपलब्धि तो है पर आसन्न लोकसभा चुनाव (2024) के मद्देनज़र जो बड़ी छलांग लगाने की वह सोच रही थी, उसमें बड़ी रुकावट तीन राज्यों की पराजय है जिसने कांग्रेस के लिये आगे की सियासी राह को बहुत कठिन कर दिया है। फिर भी ऐसा नहीं कि वह खेल में कभी लौट ही नहीं सकेगी।

कांग्रेस की दिक्कतों एवं सम्भावनाओं पर विचार करते समय पहले उसकी कठिनाइयों पर चर्चा कर ली जाये। उसका सबसे बड़ा अवरोध तो यही है कि उसके बारे में भारतीय जनता पार्टी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ तथा उनके अन्य सहयोगी संगठनों द्वारा बनाई गई अवधारणाएं एवं परिकल्पनाएं इस कदर प्रगाढ़ रूप से लोगों के मन में बिठा दी गई हैं, कि उनका निराकरण सहज रूप से होता सम्भव नहीं लगता। देश की सबसे पुरानी पार्टी एवं उसके नेताओं के बारे में जो जहरखुरानी की गई है उसके चलते जनता का एक बड़ा हिस्सा, खासकर नयी पीढ़ी उसे भ्रष्टाचार व वंश परम्परा का पोषण करने वाली पार्टी मानती है। राममंदिर आंदोलन के बाद से उसे अधर्मी एवं हिन्दू विरोधी दल के रूप में भी स्थापित किया गया है।

2014 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जब से भारतीय जनता पार्टी केन्द्र में काबिज हुई है और आज जब केन्द्र के साथ उसकी बड़ी संख्या में राज्य सरकारें बन चुकी हैं, कांग्रेस के प्रति नफरत व नकारात्मकता का भाव सर्वत्र फैला दिया गया है। इसी का यह परिणाम है कि उसकी मुद्दा आधारित राजनीति को इन तीनों राज्यों में स्वीकार्यता नहीं मिल पाई। पिछले करीब एक दशक से भाजपा द्वारा हिन्दुओं व गैर हिन्दुओं के बीच जो अलगाव पैदा किया गया है, उसे मिटाने के लिये जब कांग्रेस के नेता राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा निकालते हैं, तो उसके असर को खत्म करने के भी पुरजोर प्रयास भाजपा व उसके अनुषांगिक संगठन करते दिखाई देते हैं। एक तरह से कांग्रेस की समावेशी विचारधारा को खारिज कराने के सारे प्रयास किये गये हैं। इन तीन राज्यों में तो यही दिखाई दिया है। कम से कम छत्तीसगढ़ व राजस्थान में तो ध्रुवीकरण का मुद्दा मतदाताओं के सिर पर चढ़कर बोला। इसी प्रकार लोगों के मन में कांग्रेस व उसके नेताओं के प्रति भ्रष्टाचारी होने की अवधारणा भी मिटाये नहीं मिट रही है।अपनी विचारधारा के प्रति लोगों को कैसे सहमत किया जाये, यह अब भी कांग्रेस की समझ से परे है। जिस राहुल के पीछे लाखों की भीड़ चलती रही और जिस कांग्रेस की प्रचार सभाओं में जनता की विशाल भागीदारी हुआ करती थी, उसी के द्वारा शासित राज्य की सरकारें भी उससे छीन जायें तो इसे अजूबा ही कहा जाएगा। ऐसे में मध्यप्रदेश को हासिल करना तो दूर की बात है।इसके ठीक विपरीत तेलंगाना भी उदाहरण है जहां के लोगों ने भावनात्मक मुद्दों की बजाय यथार्थवादी मुद्दों को तरजीह देते हुए उसे शानदार जीत दिलाई। उसके पहले कर्नाटक में उसके द्वारा भ्रष्टाचार, वंश परम्परा के संवाहक तथा कट्टर साम्प्रदायिकता का पर्याय बन चुकी भाजपा को हराने का भी दृष्टांत भी है। और पहले जाएं तो हिमाचल प्रदेश भी है। ये तीनों राज्य बताते हैं कि अभी कांग्रेस के लिये सब कुछ खत्म नहीं हुआ है। अगर वह संगठित तरीके से जनता के बीच जाये, चुनाव पूरी मुस्तैदी से लड़े और लोगों को समझाये तो कहानी बदली जा सकती है। तेलंगाना, कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश के बारे में कहा जा सकता है कि हिन्दी पट्टी से उसकी दूरी के कारण इन राज्यों की मानसिकता अलहदा है जो भावनात्मक मुद्दों को लेकर वैसी उद्वेलित नहीं होती, जिस प्रकार से हिन्दीभाषी व उनसे जुड़े कुछ अन्य इलाके हैं। दरअसल इस प्रखंड का नैरेटिव ही भाजपा-संघ की राजनैतिक व सामाजिक विचारधारा का अंश है। दुर्भाग्य से यही केन्द्रीय विमर्श भी बन गया है या यों कहा जाये कि बना दिया गया है।इन सारी परिस्थितियों व भाजपा द्वारा बुने गये जाल को देखते हुए कांग्रेस का अन्य दलों से मिलकर बना गठबन्धन ही एकमात्र उपाय है जो भाजपा को मात दे सकता है। चुनावी बिसात पर होती उसकी पराजयों की भरपायी %इंडिया' (इंडियन नेशनल डेमोक्रेटिक इन्क्लुज़िव एलाएंस- जिसकी बुधवार को दिल्ली में बैठक होगी) के जरिये और उसकी मदद से नयी जमीन हासिल करके हो सकती है। यह अच्छी बात है कि अपनी स्थापना के करीब छह माह बाद भी और कांग्रेस को तीन राज्यों में मिली हार के बावजूद यह गठजोड़ न केवल अक्षुण्ण है वरन अब भी मिलकर आगे बढ़ना चाहता है। 28 दलों को मिलकर बने इंडिया की असली ताकत यह समझ है कि मिलकर ही वे भाजपा को मात दे सकते हैं। यह बात भी गठबन्धन के सामने साफ है कि उनका अस्तित्व तभी बचा रहेगा जब कांग्रेस का न सिर्फ वजूद बचा रहे वरन वह मजबूत भी

भारतीय अर्थव्यवस्था विकास के पथ पर लेकिन नयी नौकरियां पैदा करने में असफल

एक कदम जिसे देश में तत्काल उठाये जाने की जरूरत है, वह है बचत और निवेश दरों को वापस सकल घरेलू उत्पाद का 38 से 39 प्रतिशत तक बढ़ाना। इससे यह सुनिश्चित होगा कि समावेशी विकास के माध्यम से बेरोजगारी की समस्या से निपटने के अलावा वृहद-आर्थिक बुनियाद मजबूत बनी रहेगी। भारत में हमेशा 5 से 6 प्रतिशत बेरोजगारी दर रही है और यह एक प्रबंधनीय स्तर है।आजकल अर्थव्यवस्था पर एक घिसा-पिटा बयान दिया जाता है- भारत की अर्थव्यवस्था काफी अच्छी स्थिति में है जबकि कई अन्य देश लड़खड़ा रहे हैं, और इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था धीमी हो रही है और भू-राजनीति स्थिति को बदतर बना रही है। यह सच है कि भारतीय अर्थव्यवस्था अब सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है और यह निराशाजनक दुनिया, खासकर यूरोप, मध्य-पूर्व और चीन के तुलना में अधिक तेजी से बढ़ रही है।

पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार और विश्व बैंक के मुख्य अर्थशास्त्री कौशिक बसु का कहना है कि इसमें संदेह करने की कोई बात नहीं है और भारत अब उचित रूप से एक उज्ज्वल स्थान पर है। इसका मतलब यह है कि अर्थव्यवस्था के अच्छा प्रदर्शन करने और तथाकथित जनसांख्यिकीय लाभांश का लाभ उठाने की संभावना है। इसलिए सवाल यह है कि क्या नीति निर्माता इस लाभ को भुनाने के लिए पर्याप्त प्रयास कर रहे हैं। उत्तर निश्चित रूप से नहीं में है। वृहत-आर्थिक बुनियादी सिद्धांतों के साथ कुछ मुद्दे हैं। इसके अलावा पर्याप्त नौकरियां पैदा नहीं हो रही हैं, खासकर युवाओं के बीच।बसु भारतीय अर्थव्यवस्था में एक अंतर्निहित कमजोरी की ओर इशारा करते हैं और बताते हैं कि हाल के वर्षों में बचत और निवेश दरों में लगातार गिरावट आई है। बसु का मानना है कि मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाले यूपीए शासन के दौरान बचत और निवेश दरें सकल घरेलू उत्पाद के 38 से 39 प्रतिशत तक पहुंच गईं। इससे भारत को इस शताब्दी के पहले दशक में स्थिर मूल्य आधार वर्ष पर लगभग 9 प्रतिशत की उच्च विकास दर प्राप्त हुई। विशेष रूप से घरेलू बचत की उच्च बचत दर ने यह सुनिश्चित किया कि निवेश भी तदनुसार अधिक था जिसके परिणामस्वरूप कम वृद्धिशील पूंजी उत्पादन अनुपात हुआ।

दुर्भाग्य से, बचत और निवेश दरें दोनों विशेष रूप से मोदी युग के दौरान गिर रही हैं और कोविड के वर्षों के दौरान 28 या 29 प्रतिशत के

की भी ऐसी ही स्थिति है, जो अर्थव्यवस्था के लिए पर्याप्त नहीं है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि देश में बड़े पैमाने पर रोजगार पैदा हो, विशेष रूप से श्रम प्रधान उद्योगों में भारी निवेश की आवश्यकता है। लेकिन किसी तरह ऐसा नहीं हो रहा है। तथाकथित स्व-रोजगार के माध्यम से अल्प-रोजगार भी बढ़ रही है। 35 साल से कम उम्र की आबादी के बड़े अनुपात वाले भारत के लिए यह अच्छी खबर नहीं है। सीएमआईई डेटा

चिंताजनक बात यह है कि 15-22 वर्ष के आयु वर्ग में बेरोजगारी 22 प्रतिशत तक है। मध्य-पूर्व में 15-22 वर्ष आयु वर्ग में बेरोजगारी की संख्या भी इतनी अधिक थी। इससे तुरंत खतरे की घंटी बजनी चाहिए। जैसा कि कहा जाता है कि निष्क्रिय दिमाग शैतान का घर होता है। दुनिया भर के सशस्त्र बलों में, सैनिकों को कभी भी निष्क्रिय रहने की अनुमति नहीं दी जाती है और उन्हें हमेशा सुबह उठने के समय से ही कुछ न कुछ

सुनिश्चित करने के लिए रोजगार सृजन पर जोर देना बहुत महत्वपूर्ण है। रोजगार बढ़ाने के लिए बुनियादी ढांचे में वित्त पोषण बढ़ाना महत्वपूर्ण है और सरकार साल दर साल सार्वजनिक व्यय बढ़ाकर अपना काम कर रही है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस साल के बजट में सार्वजनिक व्यय को 2022-23 के 7.5 लाख करोड़ रुपये से बढ़ाकर 10 लाख करोड़ रुपये से थोड़ा अधिक कर दिया है। यह एक स्वागत योग्य घटनाक्रम है। निजी निवेश भी बढ़ रहा है।लेकिन चमड़ा, कपड़ा, खाद्य प्रसंस्करण आदि जैसे श्रम प्रधान उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए और अधिक प्रयास करने की आवश्यकता है। साथ ही इन उद्योगों को पूरे देश में, विशेषकर छोटे कस्बों और शहरों में फैलाना होगा, ताकि ग्रामीण संकट को दूर किया जा सके। इलेक्ट्रॉनिक्स और विनिर्माण को बढ़ावा देना एक स्वागत योग्य कदम है क्योंकि इससे नौकरियां पैदा होती हैं, लेकिन ये उद्योग आमतौर पर बड़े शहरों और उसके आसपास स्थापित होते हैं क्योंकि इसके लिए कुशल और उच्च कुशल जनशक्ति की आवश्यकता होती है। ग्रामीण संकट से निपटने के लिए कौशल विकास को भी बढ़ावा देने की जरूरत है। स्किल मैपिंग से क्षेत्र विशेष के कौशल विकास पर ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलेगी। इन पर कार्य प्रगति पर है।प्रत्यक्ष विदेशी निवेश प्रवाह में सुधार हो रहा है। उन्नत देशों द्वारा चीन प्लस वन नीति अपनाने से विदेशी निवेश प्रवाह में भारत की ओर झुकाव हो रहा है। लेकिन विशेष रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका जैसी उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में ब्याज दरें बढ़ने के साथ, उभरती अर्थव्यवस्थाओं से बहिर्वाह की संभावना है। हालांकि यह कुछ उभरती अर्थव्यवस्थाओं में हो रहा है। भारत से बहिर्वाह इस समय उतना महत्वपूर्ण नहीं है क्योंकि उन्नत अर्थव्यवस्थाओं के कई उद्योगपति भारतीय अर्थव्यवस्था को एक अवसर के रूप में देखते हैं। लेकिन अस्थिर भू-राजनीतिक स्थिति के साथ, यह प्रवृत्ति कुछ ही समय में उलट हो सकती है। इसलिए इससे बचाव की जरूरत है।एक कदम जिसे देश में तत्काल उठाये जाने की जरूरत है, वह है बचत और निवेश दरों को वापस सकल घरेलू उत्पाद का 38 से 39 प्रतिशत तक बढ़ाना। इससे यह सुनिश्चित होगा कि समावेशी विकास के माध्यम से बेरोजगारी की समस्या से निपटने के अलावा वृहद-आर्थिक बुनियाद मजबूत बनी रहेगी। भारत में हमेशा 5 से 6 प्रतिशत बेरोजगारी दर रही है और यह एक प्रबंधनीय स्तर है। ध्यान देने वाली बात यह है कि युवाओं में बेरोजगारी, वह भी लगभग 20-22

सनातन धर्म की प्रगति एवं गौ रक्षार्थ के लिए श्री गाडरवाड़ा धाम सरकार में 51 दिन से हो रहा यज्ञ

योगेश शर्मा राजोरिया
पुष्पांजलि टुडे

गाडरवाड़ा -जन-जन को सनातन धर्म का मार्ग दिखलाने वाले एवं सनातन धर्म का प्रचार-प्रसार करने वाले श्री गाडरवाड़ा धाम सरकार पीठाधीश्वर गुरुदेव द्वारा रात्रि में धाम पर सनातन धर्म की प्रगति व गौ रक्षा के लिए यज्ञ किया गया। यज्ञ करने वाले पीठाधीश्वर ने बताया कि आज हम ने केवल राष्ट्र में नही अपितु विश्व मे सनातन धर्म की प्रगति और हमारी गौ माता की रक्षा हो उसके लिए हवन पूजन यज्ञ 51 दिनों से हो रहा है । ज्ञात हो कि राघोगढ़-सांडा के समीप माहेश्वरी

पेट्रोल पंप के पास से पूर्व की ओर 2.÷ किलोमीटर आगे की ओर स्थित प्रसिद्ध श्री गाडरवाड़ा धाम सरकार में मंगलवार एवं शनिवार को दिव्य दरबार का आयोजन किया होता है जहाँ भक्तों की अर्जी सुनी जाती हैं, जिसमें शनिवार को बीमार संबंधी दिव्य दरबार का आयोजन किया जाता हैं। तथा मंगलवार में लोगों की अर्जी सुनकर उनकी समस्या का समाधान एवं उपाय के बारे में बात की जाती हैं। उनके दरबार को लेकर भक्तों में खासा उत्साह देखा जा रहा है ।

चकरामपुर हत्याकांड में पुलिस द्वारा निर्दोषों को बनाया जा रहा दोषी

पीड़ित परिवार ने लगाई पुलिस अधीक्षक से न्याय की गुहार

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- शिवपुरी जिले के तहसील नरवर थाना अंतर्गत आने वाले गांव चकरमपुर में हुए हत्याकांड में नई कहानी देखने को मिल रही हैं जहां पर इतने बड़े हत्याकांड के बाद पूरा गांव अभी तक अपने घरों में नहीं आ पाए हैं वहीं पुलिस द्वारा पुलिस द्वारा निर्दोषों को भी हत्या का आरोपी बनाया जा रहा है इस पर आज चकरमपुर से आए लोगों ने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन देते हुए बताया की भूपसिंह कुशवाह पुत्र श्री रघुनी कुशवाह निवासी ग्राम चकरामपुर तह. नरवर थाना नरवर जिला शिवपुरी म.प्र. का निवासी हूँ। व कृषि कार्य कर अपना व अपने परिवार का जीवनयापन करता हैं ग्राम चकरामपुर दिनांक 17.11.2023 को कुशवाह समाज के लोगों एवं ठाकुर समाज के लोगों में पुरानी रंजिश को लेकर आपस में लडाई झगडा हो गया था जिसमें 3-4 व्यक्ति शांत हो गये जिसमें ठाकुर समाज के

लोगों द्वारा पुलिस थाना नरवर में आरोपीगणों के विरुद्ध प्रकरण कायम कराया गया है ।भूपसिंह को जानकारी मिली है कि पुलिस थाना नरवर में दर्ज प्रकरण में भूपसिंह व उसके भतीजे सरपंच सूरज सिंह एवं नाती मोटू एवं दो अन्य गांव के लोग सौम सिंह, गजराज सिंह कुशवाह के नाम गलत तथ्यों के आधार पर एफ. आई. आर. में इजाफा किये जा रहा है लेकिन उक्त घटना के समय परिवार के सदस्यों का उक्त घटना से किसी प्रकार का कोई संबंध नहीं है जिस दिन व जिस समय की घटना बताई जा रही है उस समय भतीजा सरपंच अपने घर से लगभग 1 किलामीटर दूर चुनाव पोलिंग नं. 279. 280 के कर्मचारियों के साथ में थे इस घटना के करीब 10-15 मिनिट बाद पोलिंग अधिकारी कर्मचारियों को बस में बैठालकर अपने घर पहुंच गये थे इसक बाद भतीजे सूरज सिंह सरपंच द्वारा पुलिस थाना नरवर को मोबाईल के माध्यम से घटना की जानकारी दी और भूपसिंह अपने खेत पर नहर के पास सो रहा था एवं मोटू भी अपने घर पर था व बाबूलाल कुशवाह खेत पर था व सोम सिंह, गजराज सिंह कुशवाह अपने-अपने घर पर थे परिवार के सदस्यों के मोबाईल नम्बरों को ट्रेस करवा सकते है जिससे वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी जिसके लिए कुशवाह के लोगो ने पुलिस अधीक्षक महोदय से न्याय की गुहार लगाई है

10 दिसंबर को दिल्ली के जंतर मंतर पर होगा पुरानी पेंशन के लिए धरना प्रदर्शन –जनक सिंह रावत

राज्य एवं केंद्र के सभी कर्मचारी संगठन रहेंगे शामिल

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी – पुरानी पेंशन बहाली के लिए कर्मचारी लगातार मांग कर रहे थे इसी क्रम में 10 दिसंबर मानव अधिकार दिवस के अवसर पर दिल्ली के जंतर मंतर पर होगा विशाल धरना प्रदर्शन ऑल इंडिया एन पी.एस एंप्लॉय फेडरेशन के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी जनक सिंह रावत द्वारा बताया गया कि संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनजीत सिंह पटेल के नेतृत्व में केंद्रीय कर्मचारियों एवं राज्य के कर्मचारियों द्वारा पुरानी पेंशन बहाली के लिए दिल्ली के जंतर मंतर पर राष्ट्रीय मानव अधिकार दिवस 10 दिसंबर को केंद्र सरकार के सभी विभागों के

कर्मचारी एवं संगठनों द्वारा एवं राज्यों के कर्मचारी भी इस कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे प्रदेश सहित देश के अनेक कर्मचारी संगठन पुरानी पेंशन बहाली के लिए लगातार संघर्ष कर रहे हैं लेकिन आज दिनांक तक सरकार द्वारा कोई भी मांग नहीं मानी गई है अब केंद्र एवं राज्य के कर्मचारियों द्वारा केंद्र सरकार पर दवाव बनाने के लिए एवं पुरानी पेंशन बहाली के लिए दिल्ली में लगातार आंदोलन जारी हैं इसी क्रम में 10 दिसंबर को मानव अधिकार आयोग के दिवस पर पुरानी पेंशन के लिए धरना प्रदर्शन किया जाएगा संगठन प्रदेश एवं केंद्र के कर्मचारियों से आवाहन करता है अधिक से अधिक संख्या में इस सम्मेलन में सम्मिलित होकर पुरानी पेंशन आंदोलन को सफल बनाएं जंतर मंतर पर होने वाले आंदोलन में ऑल इंडिया एन.पी.एस. एंप्लॉय फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनजीत पटेल सहित विभिन्न राज्यों के प्रदेश अध्यक्ष एवं कर्मचारी शामिल रहेंगे रावत द्वारा अपील की गई है मध्य प्रदेश के कर्मचारी अधिक से अधिक संख्या में आंदोलन में शामिल हो जिससे पुरानी पेंशन के लिए एक सशक्त मैसेज केंद्र सरकार को दिया जा सके अपील करने वालों में जनक सिंह रावत,वीरेंद्र रावत, सुल्तान आदिवासी, गिर्राज शुक्ला, बालू राम रावत, हरगोविंद रावत, वीरेंद्र शिवहरे,सुरेश रावत, हेमंत यादव, मुकेश रावत, नीरज मिश्रा, रेनू शर्मा मनोरमा सडेया सहित सभी कर्मचारियों द्वारा अपील की गई है

10 दिसम्बर 2023 को विजय दिवस के अवसर ओर भोपाल जाएगा इंडियन वेटरन्स ओर्गेनाईजेशन जा जत्था

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी - इंडियन वेटरन्स ओर्गेनाईजेशन के तत्वाधान में विजय दिवस 10 दिसंबर 2023 को शौर्य स्मारक भोपाल में महामहिम राज्यपाल श्री मंगू भाई पटेल के मुख्य आतिथ्य में मनाया जाएगा। इंडियन वेटरन्स ऑर्गेनाइजेशन शिवपुरी के जिला अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश शर्मा ने पूर्व सैनिकों से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाएं। इस संदर्भ में पूर्व सैनिक संगठन की मीटिंग की गई और सभी से अनुरोध किया गया कि सब परिवार के साथ भोपाल चले वहाँ रहने , ठहरने, खाने पीने की निशुल्क व्यवस्था की गई है।कल 9 दिसंबर को इंटरसिटी एक्सप्रेस से पूर्व सैनिक भोपाल के लिए प्रस्थान करेंगे। बहुत से पूर्व सैनिक अपने निजी वाहन से भोपाल जा रहे हैं इस वर्ष की मेजबानी मध्य प्रदेश को मिली है । हम लोग सभी अतिथियों का स्वागत करते हैं। इस अवसर पर उपाध्यक्ष अशोक कुमार शर्मा ने कहां कि सभी लोग अनुशासन का विशेष ध्यान रखें और कार्यक्रम का आनंद उठाएं। जिला अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश शर्मा ने कहां कि इस अवसर पर वीर नारियों का सम्मान किया जाएगा । शहीदों को श्रद्धांजलि दी जाएगी। यह सम्मेलन सभी पूर्व सैनिकों का महाकुंभ है। सभी एक दूसरे से मेल मिलाप करें, अपने आप को अकेला असहाय न समझे, संगठन सदा उनके साथ है सांस्कृतिक कार्यक्रम एनसीसी परेड देशभक्ति के गीत कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। आज मीटिंग में अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश शर्मा , उपाध्यक्ष नरेंद्र सिंह यादव , उपाध्यक्ष अशोक कुमार शर्मा , शहर उपाध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह राजावत , कोऑर्डिनेटर विशाल जोशी , कैलाश सिंह जादौन मनोज कुमार शर्मा, सत्येंद्र कुमार शर्मा , कैलाश यादव, योगेंद्र कुमार शर्मा , रामदास आर्य , अजय तिवारी, राम नरेश सेंगर, चंद्र किशोर चतुर्वेदी , कोऑर्डिनेटर बृजेश कुमार राठौर उपस्थित रहे । कार्यक्रम का संचालन बृजेश कुमार राठौर ने किया । धन्यवाद ज्ञापन उपाध्यक्ष अशोक शर्मा ने किया।

चाचौड़ा आंबाला गुरु महाराज के मंदिर पर जंगल मैं कटी सागवान

योगेश शर्मा
राजोरिया
पुष्पांजलि टुडे

चाचौड़ा अंबाला गुरु महाराज के मंदिर पर जंगल में कटी सागवान चाचौड़ा अंबाला वाले गुरु महाराज का स्थान पहाड़ी पर जंगल में स्थित है प्रकृति की गोद में स्थित गुरु महाराज आस्था का केंद्र हैं साथ ही प्राकृतिक छटा के लिए भी प्रसिद्ध है लेकिन कुछ लोगों द्वारा वन विभाग की लापरवाही के चलते जंगल को नुकसान पहुंचाया जा रहा है जंगल से हजारों रुपए की सागवान प्रतिदिन काटी जा रही है लेकिन वन विभाग इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है बीती रात गुरु महाराज मंदिर के पास से सागवान के वृक्ष काट दिए गए लेकिन वन विभाग ने इस और ध्यान नहीं दिया चाचौड़ा से अमित शर्मा के साथ विनय नामदेव

करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष को दी सर्व समाज ने दी श्रद्धांजलि ।

मुंगावली-दैनिक पुष्पांजली टुडे
संवाददाता जितेंद्र राय-पिपरई

नगर परिषद चौराहे पर सर्व समाज के लोगों ने श्री स्वर्गीय सुखदेव सिंह गोगामेडी राष्ट्रीय अध्यक्ष करणी सेना की निर्मम हत्या की जाने पर सर्व समाज ने आत्म शांति के लिए पहले दीप प्रचलित कर पुष्प अर्पण किया सभी ने दो मिनट का मौन धारण कर दिवंगत आत्मा को ईश्वर अपने श्री चरणों में स्थान दें की परिवार को इस दुख की संकट की घड़ी में दुख सहन करने की अपारशक्ति प्रदान करें सर्व समाज के लोगों ने श्री सुखदेव सिंह गोगामेड़ी के हत्यारे को फांसी हो जिससे आगे हथियारों को जुर्म करने से पहले ही उनकी रूह कांपे। सर्व समाज धर्म और नीति न्याय के साथ चलने वाले व्यक्तियों को के साथ कभी अन्याय न हो उनको इंसाफ मिले सर्व समाज के लोग अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर श्रद्धांजलि दी गई।

जिला स्तरीय ओलंपियाड परीक्षा में बदरवास के तीन छात्र रहे अव्वल

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी -जिला शिक्षा केंद्र के मार्गदर्शन में आयोजित जिला स्तरीय ओलंपिक प्रतियोगिता में राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा घोषित मेरिट सूची में बदरवास विकासखंड के तीन छात्रो द्वारा जिला स्तर पर अधिकतम अंक पाकर पर प्रथम रैंक हासिल कर विकासखंड का नाम जिला पटल पर रोशन किया।

बीआरसी तोमर द्वारा अवगत कराया कि राज्य शिक्षा केंद्र के निर्देशानुसार जिला स्तरीय ओलंपिक प्रतियोगिता जिला शिक्षा केंद्र के मार्गदर्शन में गत दोनों आयोजित की गई।जिला स्तरीय ओलंपियाड परीक्षा में विकासखंड बदरवास द्वारा शत प्रतिशत उपस्थिति का लक्ष्य हासिल कर एक नया रिकॉर्ड कायम किया। बदरवास विकासखंड से जिला स्तरीय प्रतियोगिता में कक्षा 2 से 8 में अध्यनरत 470 बच्चों ने अपनी सहभागिता की।प्रतियोगिता में मोहित लोधी पुत्र हरिसिंह लोधी शासकीय माध्यमिक विद्यालय गुहासा कक्षा 5 अंग्रेजी में 141 अंक जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रिंस दागी पुत्र राधे श्याम डांगी शासकीय प्राथमिक विद्यालय लालपुर कक्षा 4 अंग्रेजी में 138 अंक प्राप्त किया एवं रितिका लोधी शासकीय प्राथमिक विद्यालय मेघोना डांग कक्षा 5 गणित विषय में 138 अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान जिले के पटल पर बदरवास विकासखंड का नाम रोशन किया। यह बदरवास के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। इन सभी छात्रों को प्रशस्ति पत्र, शील्ड एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में उत्कृष्ट सहयोग समस्त विकासखंड बी.ए.सी. एवं जन शिक्षक तथा शिक्षक साथियों का रहा। इस दौरान कार्यक्रम के नोडल अधिकारी संजीव पाठक बीएसई.ए.सीभी उपस्थित रहे।प्रथम चरण में आयोजित विकासखंड स्तरीय ओलंपियाड परीक्षा में विकासखंड बदरवास के सर्वाधिक बच्चे परीक्षा में शामिल हुए थे एवं द्वितीय चरण में आयोजित जिला स्तरीय प्रतियोगिता में शत प्रतिशत उपस्थिति का लक्ष्य हासिल कर एक नया रिकॉर्ड बनाया था।प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले तीनों छात्र संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। बीआरसी तोमर द्वारा समस्त संस्था प्रभारी, जन शिक्षक, बीएससी को इस शानदार एवं सफल आयोजन में सर्वाधिक उपस्थिति तथा राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा मेरिट में तीन बच्चों के चयन होने पर शुभकामनाएं और बधाई दी एवं सभी से यह उम्मीद जाहिर की शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करते हुए अपने दायित्वों का निर्वहन इसी तरह पूर्ण ईमानदारी से करते रहे।

रूपावास मंदिर में ग्रामीण श्रद्धालु ने एकादशी उत्पन्ना शोभन व सौभाग्य योग उत्सव मनाया।

पाली निकट 8 दिसंबर शुक्रवार को रूपावास गांव में भगवान श्री कृष्ण राधा चारभुजा ठाकुर जी मंदिर परिसर में एकादशी ग्यारस उत्पन्ना शोभन व सौभाग्य योग्य उत्सव पर संत भगवान दास व बाबुलाल वैष्णव के साध्य में एवं ग्रामीण श्रद्धालु भक्तों ने उपासना व्रत रखकर भगवान हरि विष्णु धनदात्रि माता लक्ष्मी की अनुष्ठान पर माथा टेक दर्शन कर आरती पूजन कर महिलाएं व पुरुषों ने हवन कुंड यंज्ञ में तिल, ज्व का आहुतियां दी । इसके बाद में पुरे दिन भर भजन

कीर्तन व मंगलम गीत गाकर खुशहाली के लिए दान पुण्य कर धुम धाम से एकादशी उत्पन्ना कार्यक्रम का आयोजन मनाया गया।इस अवसर पर भाजपा जिला सहसंयोजक पायल पटेल, कविता पटेल, नाजु देवी आजणा, श्रीदेवी पटेल,मीराबाई ,सुखिया, भंवरी ,पानी देवी ,सुशीला, लीला देवी, सुमित्रा मालवी ,भगवान दास, बाबू दास ,समाज सेवी हरिभाई पटेल भीमाराम,बुद्धाराम ,गोरखराम,गिरधारी राम , मांगीलाल , भंवरलाल , मंगलाराम,शंकरलाल, सोलंकी ,शेषाराम घांची ,पुखाराम भाटी, ढलाराम घांची, डुगरराम, नारायण सुथार ,सोहन सहित कहीं ग्रामीण श्रद्धालु मौजूद रहे।

पत्रकार सतेंद्र यादव को जिले की जिम्मेदारी मिली

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । यदुवंशी संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष रुपेश यादव ने आर्यावर्त सामाचार के जिला ब्यूरो युवा पत्रकार सतेंद्र यादव की मेहनत को देखते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष ने ग्वालियर राष्ट्रीय कार्यालय पर सोशल मीडिया भिण्ड जिला अध्यक्ष की ज़िम्मेदारी सोपी साथ ही मिठाई खिलाकर फूल मालाओं से स्वागत किया और बधाई दी स्वागत राष्ट्रीय अध्यक्ष रुपेश यादव, प्रदेश महासचिव मनीष यादव, छात्र संघ जिला अध्यक्ष अनिल उर्फ सुदामा यादव, मुलायम सिंह यादव, संजय यादव, रंजीत यादव, निशांत यादव आदि ने नवनियुक्त जिलाध्यक्ष का सतेंद्र यादव का स्वागत किया।

जिले में विकसित भारत संकल्प यात्रा के सफल संचालन हेतु बैठक संपन्न

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- जिले में विकसित भारत संकल्प यात्रा के सफल संचालन हेतु कलेक्टर रवीन्द्र कुमार चौधरी ने बैठक आहुत कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। जिलाधीश कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी उमराव सिंह मरावी, अपर कलेक्टर विवेक रघुवंशी, समस्त एसडीएम, संयुक्त कलेक्टर, डिप्टी कलेक्टर सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।कलेक्टर रवीन्द्र कुमार चौधरी ने विकसित भारत संकल्प यात्रा के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस यात्रा के माध्यम से जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में भारत सरकार की विभिन्न हितग्राही मूलक योजनाओं के माध्यम से पात्र व्यक्तियों को मूलभूत सुविधाओं का लाभ दिया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि प्रमुख योजनाओं का लाभ लक्षित लाभार्थियों तक समयबद्ध तरीके से पहुंचे एवं सभी लक्षित और पात्र लाभार्थियों के लिए आवश्यक सेवाएं सुलभ कराए जाने हेतु जागरूकता अभियान भी चलाया जाए। साथ ही प्रत्येक शनिवार को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा हितग्राहियों से आवश्यक चर्चा भी की जाएगी। यात्रा की तैयारियों की समीक्षा संभागायुक्त द्वारा भी की जाएगी। कलेक्टर श्री चौधरी ने समस्त एसडीएम को निर्देश दिए कि समस्त नगरीय निकाय अंतर्गत विकसित भारत संकल्प यात्रा के उद्देश्यों के पूर्ति समय-सीमा में किया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि यात्रा के सफल क्रियान्वयन के लिए जिला स्तर पर परियोजना अधिकारी एवं नगर पालिका परिषद तथा नगर परिषद स्तर पर मुख्य नगर पालिका अधिकारी को नोडल अधिकारी रहेंगे। उन्होंने यात्रा के रूट

चार्ट भी निर्धारित किए जाने के अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने पीएचई के अधिकारियों को नलजल योजना एवं महिला बाल विकास के अधिकारियों को पोषण आहार तथा आदिम जाति कल्याण विभाग के अधिकारियों को संबंधित योजनाओं के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए।कलेक्टर ने कहा कि यात्रा में जनप्रतिनिधियों की भागीदारी भी सुनिश्चित की जाएगी। यात्रा के दौरान विभिन्न हितग्राही मूलक योजनाओं के शिविरों का आयोजन कर पात्र आवेदकों का पंजीकरण भी किया जाएगा। इन शिविरों में हितग्राहियों को डिजिटल प्लेटफार्म फोन-पे, गूगल-पे, भारत-पे, पेटीएम आदि से भी जो?ा जाएगा। उन्होंने यात्रा के दौरान आयोजित शिविरों में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण शिविरों का आयोजन कर स्वास्थ्य परीक्षण के साथ-साथ संबंधित हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाने की कार्यवाही करने के भी निर्देश दिए।उन्होंने कहा कि निकाय स्तर पर समन्वय समितियों का गठन किया जाएगा। नोडल अधिकारी नियुक्त अधिकारियों का प्रशिक्षण, अभिविन्यास तथा आईईसी वैन के मार्गो और वैन की तारीखों के कैलेंडर को अंतिम रूप देने के उत्तरदायी रहेंगे। यात्रा के लिए भारत सरकार द्वारा विशेष रथ तैयार किए जाएंगे तथा एक नोडल अधिकारी को भी संपूर्ण प्रक्रिया के अवलोकन हेतु नियुक्त किया जाएगा। यात्रा के दिन मेरी कहानी मेरी जुबानी अंतर्गत लाभान्वित हितग्राहियों की सफलता की कहानी अथवा अनुभव साझा किए जाएगें। यात्रा के दौरान हितग्राहियों को प्रमुख रूप से स्वच्छता सुविधाएं, एलपीजी कनेक्शन, आवश्यक वित्तीय सेवाएं, आवास सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, पूर्ण पोषण, स्वच्छ पेयजल, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा आदि का लाभ दिया जाएगा।

मनोविज्ञान की फील्ड में बना सकते हैं करियर

मनोविज्ञान का क्षेत्र है, जिसमें प्रत्येक आयुवर्ग के लोग विशेषज्ञता हासिल कर अपना करियर बना सकते हैं। इसमें मानव मन और व्यवहार का अध्ययन किया जाता है। मसलन, मस्तिष्क तनाव में कैसे काम करता है, यह कैसे भाषा सीखता है, तथ्यों को कैसे याद रखता है या किसी भी तरह की मानसिक बीमारी इसके काम करने के तरीके को कैसे प्रभावित कर सकती है। इस सेक्टर में विशेषज्ञता और रुचियों के आधार पर मनोविज्ञान डिग्री धारकों के लिए कई अलग-अलग विकल्प उपलब्ध हैं, जो कि इस प्रकार हैं-

- मनोविज्ञानी
- मनोचिकित्सक
- समाज सेवक
- काउंसलर
- शैक्षिक मनोवैज्ञानिक
- मानव संसाधन प्रबंधक
- अध्यापक
- अनुसंधान भूमिकाएं
- मीडिया भूमिकाएं
- मनोविज्ञान में करियर

मनोविज्ञान का कोर्स करने के बाद छात्र पब्लिक और प्राइवेट हेल्थ केयर, एजुकेशन, मेंटल हेल्थ स्पोर्ट्स, सोशल वर्क, थेरेपी एंड काउंसलिंग जैसे कई सेक्टर में करियर बना सकते हैं। यहां पर वे सलाहकार, अनुसंधान-आधारित, उपचार-आधारित या चिकित्सीय की भूमिका निभा सकते हैं। इसके अलावा मीडिया और अन्य रचनात्मक फील्ड में नौकरियों सहित मनोविज्ञान स्नातकों के लिए कई ऑप्शन भी हैं।

चार्टर्ड मनोवैज्ञानिक

एक चार्टर्ड मनोवैज्ञानिक के तौर पर आप व्यावसायिक मनोविज्ञान, शैक्षिक मनोविज्ञान, खेल और मानसिक स्वास्थ्य जैसे कई क्षेत्रों में विशेषज्ञता हासिल कर सकते हैं। यहां आप सभी पृष्ठभूमि के लोगों, रोगियों और क्लाइंट के साथ काम कर सकते हैं। इसके अंतर्गत आप कुछ मनोवैज्ञानिक मुद्दों पर बेहतर ढंग से समझने और सलाह देने के लिए आप व्यवहार, विचारों और भावनाओं का विश्लेषण कर सकते हैं। हालांकि यदि आप मनोचिकित्सक बनना चाहते हैं तो इसके लिए आपको मेडिकल डिग्री हासिल करने की आवश्यकता होगी।

मनोचिकित्सक

एक मनोचिकित्सक के तौर आपको व्यक्तियों, जोड़ों, समूहों या परिवारों के साथ काम करता होगा। जिससे आप अपने क्लाइंट्स को भावनात्मक और रिश्ते से संबंधित मुद्दों, तनाव और यहां तक कि व्यसन सहित मनोवैज्ञानिक परेशानियों को दूर करने में मदद कर सके। इनमें संज्ञानात्मक व्यवहार विधियां, मनोविश्लेषणात्मक और मनोगतिक चिकित्सा, साथ ही कला चिकित्सा, नाटक चिकित्सा, ह्यूमनिस्टिक और एकीकृत मनोचिकित्सा, सम्मोहन-मनोचिकित्सा और अनुभवात्मक चिकित्सा शामिल हैं।

समाज सेवक

एक सामाजिक कार्यकर्ता के तौर पर आपको ऐसे लोगों की स्थितियों में सुधार लाने के लिए काम करना होगा, जो अपने जीवन में कठिन दौर से गुजर रहे हैं। ये कोई भी हो सकते हैं जैसे बच्चों या बुजुर्गों का या ऐसा ही अन्य कोई ग्रुप, विकलांग लोगों और अपराध और दुर्व्यवहार के शिकार लोगों सहित अन्य कई। सामाजिक कार्यकर्ता स्कूलों, घरों, अस्पतालों या अन्य सार्वजनिक एजेंसियों के भीतर काम कर सकते हैं।

काउंसलर

एक काउंसलर लोगों को उनके जीवन, भावनाओं और अनुभवों के साथ बेहतर तरीके से सामंजस्य बिठाने में मदद करता है। यहां पर क्लाइंट की बातों को ध्यान से सुनना एक काउंसलर के लिए सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण होता है। एक काउंसलर में सुनने, सहानुभूति देने, सम्मान और धैर्य प्रदान करने की क्षमता साथ विश्लेषण करने की क्षमता होनी जरूरी है, ताकि क्लाइंट को उनकी स्थिति से बेहतर तरीके से निपटने में सक्षम बनाया जा सके। एक काउंसलर अक्सर विवाह और परिवार, स्वास्थ्य, दुर्व्यवहार, पुनर्वास, शिक्षा, दुख, मानसिक स्वास्थ्य, करियर मार्गदर्शन और बाल रोग सहित अनेक क्षेत्र शामिल हैं।

शिक्षा में मनोविज्ञान करियर

मनोविज्ञान कोर्स के बाद आप शिक्षा के क्षेत्र में भी जा सकते हैं। यहां आप शिक्षा के साथ-साथ शैक्षिक चिकित्सा, शैक्षिक मनोविज्ञान और शिक्षा के भीतर सामाजिक कार्य, मनोविज्ञान स्नातक प्राथमिक, माध्यमिक या कॉलेज, यूनिवर्सिटी स्तर की शिक्षा में काम कर रहे शिक्षकों के रूप में कार्य कर सकते हैं। इसके अलावा जेल के अंदर के युवा अपराधियों को ठीक करने के लिए काम कर सकते हैं। वहीं महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में करियर में प्रवेश करने के लिए आपको मास्टर / पीएचडी योग्यता की आवश्यकता होगी। उच्च शिक्षा के अंतर्गत आप शिक्षण या रिसर्च दोनों ही क्षेत्र में करियर बना सकते हैं।

रिसर्च में करियर

मनोविज्ञान के तौर पर आप रिसर्च एजेंसियों, पब्लिक और प्राइवेट ऑर्गनाइजेशन या विश्वविद्यालयों में रिसर्च कर सकते हैं। सभी क्षेत्रों के भीतर रिसर्च करियर और भी व्यापक हैं, इसमें सरकारी नीति विकास या उद्योग के लिए काम कर सकते हैं। आप एक चैरिटी या अन्य गैर-लाभकारी संगठन के लिए भी काम कर सकते हैं जो भाषण बाधाओं, मस्तिष्क क्षति, बाल विकास या मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य पर कानूनी और अवैध दवाओं के प्रभाव जैसी चुनौतियों को हल करने के लिए रिसर्च कर रहे हैं।

मीडिया और विज्ञापन करियर

मनोविज्ञान डिग्री होल्डरों के लिए मीडिया में भी विविध करियर हैं। मनोविज्ञान स्नातक मानव व्यवहार को लेकर कंपनी के लिए कई महत्वपूर्ण बातें बता सकते हैं। साथ ही समस्याओं का विश्लेषण करने, ध्यान से सुनने, प्रतिक्रिया देने और सहानुभूति और कारण के साथ कार्य करने की क्षमता प्रदान कर सकते हैं। इस वजह से, प्रबंधन, उत्पादन, शेड्यूलिंग और लेखन सहित सभी विभागों के भीतर मनोविज्ञान स्नातकों की मांग होती है।

मानव संसाधन और संचार करियर

मनोविज्ञान की डिग्री के साथ ह्यूमन रिसोर्स और कम्युनिकेशन करियर भी एक अच्छा विकल्प है। पब्लिक और प्राइवेट दोनों क्षेत्रों में उपलब्ध इन भूमिकाओं में कर्मचारी संतुष्टि, व्यावसायिक विकास, प्रशिक्षण, भर्ती, पीआर, पेरोल और आंतरिक संचार जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

इंटरनेशनल रिलेशन में पीएचडी करना चाहते है तो मास्टर्स में न्यूनतम 55% अंक आवश्यक है। इसके अलावा इंटरनेशनल रिलेशन से संबंधित विषयों में पोस्ट ग्रेजुएशन या एम. फिल की डिग्री होनी चाहिए।

इंटरनेशनल रिलेशन में पीएचडी करना चाहते हैं क्या है प्रवेश प्रक्रिया

अगर आप भी इंटरनेशनल रिलेशन में पीएचडी करना चाहते है तो मास्टर्स में न्यूनतम 55% अंक आवश्यक है। इसके अलावा इंटरनेशनल रिलेशन से संबंधित विषयों में पोस्ट ग्रेजुएशन या एम. फिल की डिग्री होनी चाहिए। यह 3-5 साल का कोर्स होता है। इसमें अंतर्राष्टीय व्यापार, अंतर्राष्टीय संबन्ध, और विभिन्न देशों के बीच सम्बन्ध के कारकों और पहलुओं का अध्ययन और विश्लेषण किया जाता है। अगर आप भी इंटरनेशनल स्टडीज में पीएचडी करके राजनयिक के तौर पर काम करना चाहते है तो आइये जानते है इसमें नामांकन के लिए क्या योग्यताएं होनी चाहिये।

योग्यता

- संबंधित विषय में एम फिल की डिग्री या पोस्ट ग्रेजुएशन होना चाहिए।
- उम्मीदवार के पास मास्टर डिग्री में न्यूनतम 55% अंक होना आवश्यक है।
- विश्वविद्यालयों द्वारा भी परीक्षाएं आयोजित कराई जाती है।
- आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों के लिए 5% अंकों की छूट दी जाती है।
- यूजीसी-नेट जैसी राष्टीय परीक्षाओं भी आयोजित की जाती हैं।
- प्रवेश परीक्षा के बाद साक्षात्कार होता है अगर आपने उसमें अच्छा स्कोर किया तो आपको स्कॉलरशिप भी मिल सकती है।

रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया

पीएचडी इन इंटरनेशनल स्टडीज के लिए भारत के टॉप कॉलेजों द्वारा अपनाई जाने वाली एडमिशन प्रोसेस इस प्रकार है

- ऑफिशयल वेबसाइट पर जाएं।
- ऑफिशयल वेबसाइट पर जाने के बाद आवेदन फॉर्म भरें।
- फार्म को ध्यान से भरें नहीं तो आपका फार्म रिजेक्ट हो सकता है
- सभी दस्तावेज जो भी मांगे गए है उनको अपलोड करिये।
- ऑनलाइन फॉर्म की फीस जमा करें।
- फार्म को सबमिट करें।

प्रवेश परीक्षा

अगर आप किसी अच्छी यूनिवर्सिटी में प्रवेश लेना चाहते है तो प्रवेश परीक्षा में अच्छा स्कोर करना पड़ेगा। रजिस्ट्रेशन के बाद एडमिट कार्ड जारी किये जाते है। जिनमे परीक्षा की सारी जानकारी होती है। प्रवेश प्रक्रिया सीएसआईआर यूजीसी नेट, एसआईयू पीईटी, एमिटी यूनिवर्सिटी पीईटी जैसे एंट्रेंस एग्जाम पर निर्भर करती है।

प्रवेश प्रक्रिया

परीक्षा परिणाम के लिए आप वेबसाइट से जानकारी प्राप्त कर सकते है, प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के लिए बुलाया जाता है। साक्षात्कार में सफल होने के बाद डॉक्टरेट स्तर पर इंटरनेशनल स्टडीज का अध्ययन करने के लिए एडमिशन दिया जाता है।

पीएचडी इन इंटरनेशनल स्टडीज- सिलेबस

- एडवांस्ड थ्योरी ऑफ इंटरनेशनल रिलेशन
- एडवांस्ड रिसर्च मेथेड
- फेमिनिस्ट इंटरनेशनल रिलेशन
- थिसिस
- शांति और संघर्ष अध्ययन

देश के कुछ टॉप कॉलेज

- झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय
- सिम्बायोसिस लॉ स्कूल, पुणे
- लाजपत राय लॉ कॉलेज
- शिव नादर विश्वविद्यालय
- गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय
- रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी
- एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा
- कलिंग विश्वविद्यालय
- पंजाब विश्वविद्यालय
- पी.पी. सवानी विश्वविद्यालय
- यूएनओएम, मद्रास विश्वविद्यालय
- गुरु नानक देव विश्वविद्यालय

क्रिएटिव राइटिंग सिर्फ शौक ही नहीं, करियर भी बन सकता है। इसी के साथ जुड़ा हुआ है एक और करियर, जो है ट्रांसलेटर यानी अनुवादक का। इसके लिए तो अनेक संस्थानों में काफी स्कोप रहता है।

करियर भी बना सकता है क्रिएटिव राइटिंग का शौक

कहां है मांग?

रेलवे, बैंक, सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों (पीएसयू) आदि में अनुवादकों की अच्छी डिमांड रहती है। आप चाहें, तो फ्रीलांसर के तौर पर भी काम कर सकते हैं। वहीं इंटरप्रेटर के रूप में खुद को तैयार करके आप विभिन्न देशों के दूतावासों तथा विदेशी कंपनियों में जॉब पा सकते हैं। यह एक दिलचस्प जॉब है, जिसमें हर दिन कुछ नया सीखने को मिलता है। अभ्यास बहुत जरूरी लेखक बनने का हुनर कई लोगों में जन्मजात होता है मगर इस हुनर को मांजना बहुत जरूरी है। हर लिखने वाला प्रभावशाली नहीं होता। अगर आप भी बतौर क्रिएटिव राइटर करियर बनाना चाहते हैं, तो सरल, सहज और प्रभावी लिखने का अभ्यास करते रहें। पुराने क्लासिक्स से लेकर नए, प्रमुख लेखकों की किताबें तथा पत्र-पत्रिकाओं मे छपने वाले उनके कॉलम जरूर पढ़ते रहें। आप जितना ज्यादा पढ़ेंगे, उतना ही आपका लेखन निखरेगा। यहां ध्यान रखने वाली बात यह है कि आप सीखें सबसे लेकिन लिखते समय अपनी मौलिक पहचान जरूर बनाए रखें। आपके लेखन में किसी अन्य लेखक की नकल या प्रभाव नहीं दिखना चाहिए।

कहां से पढ़ें?

यदि आप करियर के तौर पर क्रिएटिव राइटिंग या ट्रांसलेशन को अपनाना चाहते हैं, तो बेहतर होगा कि आप इसके लिए बाकायदा कोर्स कर लें। क्रिएटिव राइटिंग का कोर्स इंदिरा गांधी राष्टीय मुक्त विश्वविद्यालय तथा अन्य प्रमुख विश्वविद्यालयों से किया जा सकता है। वहीं ट्रांसलेटर या इंटरप्रेटर बनने के लिए आपको केंद्रीय हिंदी संस्थान या किसी अन्य आधिकारिक संस्थान से अनुवाद का कोर्स करना होगा।

अगर आप सक्सेसफुल करियर बनाना चाहते हैं, तो आपके अंदर बेहतर कम्युनिकेशन स्किल का होना बेहद जरूरी है। क्योंकि एक अच्छी कम्युनिकेशन स्किल से आप अपने करियर को उच्च स्तर तक ले जा सकते हैं। कम्युनिकेशन स्किल आपकी पर्सनेलिटी का ही हिस्सा है, इसलिए अपनी पर्सनालिटी को इंप्रूव करने के लिए आपको अपनी कम्यूनिकेशन स्किल भी बेहतर करनी होगी।

पर्सनालिटी को इंप्रूव करने के लिए जरूरी है कम्युनिकेशन स्किल

कम्युनिकेशन स्किल बातचीत करना की एक कला है। ये बिल्कुल भी जरूरी नही है कि हर इंसान को बात करने की कला या सही तरीका आता हो। कम्युनिकेशन स्किल का डिग्री और पढ़ाई-लिखाई से भी कुछ लेना देना नहीं है, क्योंकि ये जरूरी नही है कि हर पढ़े-लिखे और डिग्रीधारी शख्स की कम्युनिकेशन स्किल अच्छी ही हो। लेकिन कुछ बातों का ध्यान रखकर इसमें सुधार जरूर किया जा सकता है।

बॉडी लैंग्वेज सही रखें

यह एक तरह का नॉन-वर्बल कम्युनिकेशन होता है, जिसमें आप बिना कुछ बोले बॉडी के हाव-भाव से सब कुछ कह देते हैं। बॉडी लैंग्वेज को देखकर आप सामने वाले पर्सन के बारे में सब कुछ समझ जाते हैं, तो अगर आप अपनी कम्युनिकेशन स्किल्स को बढ़ाना चाहते हैं तो आपको अपनी बॉडी लैंग्वेज को सही रखना जरूरी है। अपनी बॉडी लैंग्वेज के द्वारा आप सामने वाले को अपनी बात आसानी से समझा सकते हैं, लोगों से बात करते समय या मीटिंग्स में जेब में हाथ डालकर या हाथों को फोल्ड करने नहीं रखना चाहिए है आपको सामने वाले को अपनी बात समझाने के लिए अपनी बॉडी लैंग्वेज का सही तरह से यूज करना चाहिए।

दूसरों की बातें ध्यान से सुनें

अगर आप अपनी कम्युनिकेशन स्किल्स को इंप्रूव करना चाहते हैं तो आपको कोई दूसरों भी बात को भी बहुत ही ध्यान से सुनना होगा। इससे आप उसकी बातों को अच्छे से समझ सकेंगे। शुरुआत में बात करते समय आपसे कुछ गलतियां भी हो सकती हैं, लेकिन जब आप डेली प्रैक्टिस करते रहेंगे तो गलतियां कम होंगी और आप सही से कम्युनिकेशन कर सकेंगे। इसीलिए किसी भी बात को अच्छे से सुनिए फिर बोलना सीखिए।

सामने वाले को समझें

अगर आप किसी से कम्युनिकेशन कर रहे है, तो आपको उसकी बातों को अच्छे से समझने के साथ उसे भी समझना होगा कि वो आपसे क्या कहना चाहता है। तभी आप उसके साथ कम्युनिकेशन कर पाएंगे। इसलिए पहले सामने वाले पर्सन की बातों को अच्छे से समझें कि वो क्या कहना चाहता है, कैसा एक्सप्रेशन दे रहा है और उसको अच्छे से समझने के बाद आप अपना जवाब दें।

सही शब्दों का प्रयोग करें

किसी से बात करते समय आपको सही शब्दों का यूज करना चाहिए। इसके लिए डेली नये शब्दों को सीखें और उन्हें लोगों से बात करते समय यूज करें। स्टार्टिंग में आपको लोगों से बात करते समय अपनी आवाज को स्लो रखना है और सही शब्दों को बोलना है, बहुत बार ऐसा होता है कि जल्दी-जल्दी में लोग कम्युनिकेशन करते समय गलत शब्दों का प्रयोग कर जाते हैं, आपको धीरे बोलना है और अपने शब्दों को स्पष्ट बोलना है। जिससे सामने वाला व्यक्ति आपकी बात को अच्छे से समझ सके।

रोज प्रैक्टिस करें

अगर आप दिल से अपनी कम्युनिकेशन स्किल को इम्प्रूव करना चाहते हैं, तो आपको डेली प्रैक्टिस करनी होगी। आपको डेली कम्युनिकेशन के कुछ वर्ड्स याद करने होंगे और इन याद किये गये वर्ड्स को हफ्ते में 2 बार दोहराना होगा। क्योंकि अगर आप एक बार पढ़ने के बाद इन्हें दोबारा देखेंगे नहीं तो भूल जायेंगे। रोज थोड़ा टाइम अपनी कम्युनिकेशन पर दीजिए, डेली कुछ नये वर्ड्स सीखिए। इससे आपकी कम्युनिकेशन स्किल बेहतर होगी।

प्वॉइंट टू प्वॉइंट बात करें

चाहे आपका फ्रेंड हो या कोई अन्य व्यक्ति, किसी से भी बात करते समय ध्यान रखें कि आपको प्वॉइंट टू प्वॉइंट बात करना है। किसी से बात करना होता है तो आपको बिना डरे खुल कर बात करना चाहिए। अगर आप इधर उधर की बात करेंगे तो जिस प्वाइंट पर आप बात करना चाहते हैं, उसपर नहीं कर पाएंगे। साथ ही सामने वाला व्यक्ति भी कंफ्यूज रहेगा।

आई कांटेक्ट रखें

यह ध्यान रखें कि आप जब भी किसी से बात करें तो सामने वाले से आई कांटेक्ट बनाये रखें। इससे हमारी सिंसेरिटी और इंटरेस्ट दिखाई देता है और साथ ही हमारे इमोशन्स भी साफ-साफ दिखाई देते हैं। ये हमारी कम्युनिकेशन स्किल्स को भी इफेक्टिव बनती है। वहीं ऐसे बात करते समय आपका कॉन्फिडेंस भी बढ़ता है।

कॉफिडेंट रहें

किसी से बात करते समय कॉफिडेंट रहना जरूरी होता है। यह तभी हो पाएगा जब आप निडर होंगे, श्योर होंगे और जब आप बाहर की आवाजों पर डिपेंडेंट नहीं होंगे। इसीलिए स्टार्टिंग में जब भी आप किसी से बात करें, तो अपनी गलतियों से डरे नहीं, क्योंकि गलतियां होना एक नार्मल बात है, लेकिन जब धीरे-धीरे आप बोलना सीख लेंगे, आपकी कम्युनिकेशन स्किल्स अच्छी हो जाएगी तो आप पूरे कॉन्फिडेंस के साथ किसी भी फंक्शन में, पार्टी में, मीटिंग्स में या कहीं पर भी बोल सकेंगे।

मौ नगर में आभार सभा सम्पन्न

पुष्पांजलि टुडे रिपोर्टर
मौ डॉ बेताल सिंह गौड़

मौं ;गोहद बिधानसभा के भाजपा प्रत्याशी मात्र 361 हारने के बाद मौं मे जनता एंव भाजपा कार्यकर्ताओं का आभार प्रकट किया ओर कहा मौं मंडल ने हमारा भरपूर सहयोग किया 3500 सों बोटो से जिताया ओर कहा हम हारे हें मरे नही हे गोहद क्षेत्र में गुन्डा गर्दी नही होने देगे एंव मौं नगर में कार्यालय खुलेगा जिससे हम सभी की समस्यायों का निराकर हों सरकार हमारी हे आने बाले 2024 लोकसभा की तैयारी अभी से करों जिस बूथ पर हारे हे बहा जाकर समीक्षा करों इस अबसर पर मंच संचालन रामख्यार सिंह गुर्जर ने किया आभार प्रकट मंण्डल अध्यक्ष गोपाल सिंह कुशबाह ने किया आभार प्रकट करते समय मंण्डल अध्यक्ष के निकले आंसू ओर कहा भले ही हम मौं मंडल जीते लेकिन कही न कही इस हार के जिम्मेदार हम हें थोडी मेहनत ओर कर लेते तो आज ये दिन देखना नही पडता क्षेत्र का बिकाश रुक गया इस अबसर पर पूर्व मंडल अध्यक्ष कमल सिंह तोमर पिछडा वर्ग मोर्चा जिला अध्यक्ष धर्मेन्द्र गुर्जर बिक्रान्त कुशबाह बहादुर सिंह यादव सरनाम गुर्जर मुकेश भारद्वाज सज्जन सिंह यादव फरेन्द सिकरबार जयबीर चौंहान रामकुमार शास्त्री बिजेन्द चौहान पर्वत जादोंन सोमबीर सिबहरे सुल्तान मोर्य राजू मिश्रा धर्मेन्द्र राणा बकील यादव पंकज कुशबाह रामू कुशबाह पप्पू यादव राम यादव रामकुमार जादोंन महेंद्र परिहार डां बेताल गोड शतीष परिहार अम्रतलाल खटीक सहित सेकडों कार्यकर्ता उपस्थित रहे

खरगोन साइबर सेल को गुम हुए मोबाईलो ढूंढने मे मिली बड़ी सफलता

साइबर सेल द्वारा गुम हुए 111 मोबाइल फोन उनके धारकों को कराए गए वापस,मोबाइल धारकों को वापस किए गए मोबाईलो की कीमत लगभग 15 लाख रुपये,उक्त मौके पर चलाया गया साइबर जागरूकता कार्यक्रम

खरगोन जिले
मुन्ना खान पुष्पांजलि टुडे

पुलिस अधीक्षक खरगोन श्री धर्मवीर सिंह के निर्देशन में एवं अति. पुलिस अधीक्षक (शहर) श्री तरूणेन्द्रसिंह बघेल, अति.पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) श्री मनोहरसिंह बारीया के मार्गदर्शन में जिले में गुम हो रहे मोबाइलों के संबंध में साइबर सेल टीम उन्हे ढूँढने के लिए निर्देशित किया गया था ।पुलिस अधीक्षक खरगोन के उपरोक्त निर्देशों के परिपालन में साइबर सेल मे कार्यरत प्रभारी उनि सुदर्शन कलोसिया के नेतृत्व में साइबर सेल में पदस्थ प्रआर. 777 आशीष अजनारे, आर.275 अभिलाष डोंगरे, आर.10 मगन अलावा, आर.238 विजेंद्र वास्केल, आर. 847 सोनू वर्मा, आर. 693 सचिन चौधरी द्वारा सक्रियता दिखाते हुए बड़ी मेहनत एवं लगन के साथ कार्य करते हुए पुलिस अधीक्षक कार्यालय मे प्राप्त एवं थाने से आए हुए गुम मोबाइलों के आवेदन को एकत्र कर उन्हे तकनीकी सहायता की मदद से विगत वर्ष मे गुम हुए कुल 111 नग मोबाइल को खोजने में सफलता हासिल हुईउक्त 111 मोबाइलों को संबंधित थानों को सूचित कर मोबाइलों को पुलिस कब्जे में ले जाकर दिनांक 08/12/2023 को

पुलिस कंट्रोल रूम खरगोन बुलवाया गया और उन्हे उनके मालिकों के सुपुर्द किया गया । अपने खोए हुए मोबाईलो को पाकर मोबाईल धारकों द्वारा पुलिस को धन्यवाद दिया गया । उक्त 111 मोबाइलों की कीमत लगभग 15,00,000/- रुपये हैं 7 खोजे गए 111 मोबाइल में सैमसंग, ओप्पो, वीवो, रेडमी, टेक्नो, रियलमी, वन प्लस, पोक्को आदि कंपनियों के मोबाइल खोजे गए हैं, जिन्हें पुलिस अधीक्षक खरगोन श्री धर्मवीर सिंह द्वारा आज मोबाइल मालिकों को सुपुर्द किया जा रहा है 7 पुलिस अधीक्षक खरगोन श्री धर्मवीर सिंह द्वारा मोबाईल वापस करते समय बताया गया कि, कोई भी लावारिस मोबाइल या वस्तु मिलने पर तुरंत संबंधित थाने में सुपुर्द करें या कंट्रोल रूम खरगोन को सूचित करें ।उक्त मौके पर मोबाईल लेने आए लोगों को वित्तीय ऑनलाइन फ्रॉड संबंधी जागरूक किया गया एवं बताया गया कि अपने बैंक संबंधी जानकारी जैसे कीआदि जानकारी किसी भी व्यक्ति से साझा न करे । किसी भी अनजान व्यक्ति द्वारा भेजे गए पर क्लिक न करे । कोई भी रीमोट ऐप्लकैशन जैसे की-ह्व्व्व छ्ष्श्वस्च् ञ्श्वरू आदि को किसी अनजान व्यक्ति के कहने पर को इंस्टॉल न करे । गूगल या अन्य किसी सर्च इंजन पर किसी भी कस्टमर केयर का हेल्पलाइन नंबर सर्च करने पर उस नंबर पर काल करने से पहले उसकी पुष्टि कर ले और उससे भी किसी भी प्रकार की बैंक संबंधी जानकारी साझा न करे

विधानसभा निर्वाचन से जुड़े अनुभवों को अधिकारियों ने किया साझा

सीईओ एमपी ने वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के जरिये जिलों के अधिकारियों से की बात

पुष्पांजलि टुडे
राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना

सतना मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन की अध्यक्षता में शुक्रवार को विधानसभा निर्वाचन 2023 के दौरान हुए अनुभवों, निर्वाचन में विभिन्न प्रकार की आई समस्याओं तथा उनके निराकरण के लिए सुझाव साझा करने वीडियो कान्फ्रेंसिंग संपन्न हुई। जिसमें प्रदेश के सभी कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने अपने अनुभव और सुझावों को साझा किया। सतना जिले से वीडियो कॉन्फ्रेसिंग में सीईओ जिला पंचायत डॉ परीक्षित झाड़े, उप जिला निर्वाचन अधिकारी ऋषि पवार, इलेक्शन सुपरवाइजर द्वारिकेंद्र सिंह, सहायक संचालक श्याम किशोर द्विवेदी उपस्थित रहे। मुख्य कार्यपालन अधिकारी और नोडल अधिकारी स्वीप डॉ परीक्षित झाड़े ने बताया कि सतना जिले में विधानसभा चुनाव 2023 के दौरान नवाचार के रुप में ली गई गतिविधियों से अनेक मतदान केंद्रों में 5 से 10 प्रतिशत औसत मत-प्रतिशत में बड़ोत्तरी दर्ज की गई है। उन्होने डाक मतपत्र के लिये फेसिलिटेशन सेंटर के प्रबंधों की जानकारी में बताया कि कर्मचारियों के कार्मिक डाटाबेस में इपिक कार्ड, मतदाता सूची भाग संख्या और सरल संख्या का उल्लेख पूर्व से ही करने से डाक मतपत्रों के रिजेक्शन की संभावनायें शून्य कर दी गई थी। वहीं कर्मचारियों के सत्यापन के लिये मास्टर ट्रेनर्स को ही गैजेटेड अधिकारी के रुप में सत्यापन अधिकारी बनाये जाने से सत्यापन का कार्य भी आसान हो गया था। सीईओ जिला पंचायत ने मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को सतना जिले में किये गये नवाचार और विधानसभा चुनाव में ईटीपीबीएस, पोस्टल बैलेट, फेसिलिटेशन सेंटर, एमसीएमसी, इनकोर पोर्टल को और सुविधाजनक बनाने के संबंध में महत्वपूर्ण सुझाव दिये।

पल्स पोलियो अभियान का अतिरिक्त चरण 10 दिसम्बर सेप्रदेश के 16 जिलों में बच्चों को पिलाई जायेगी दवा

पुष्पांजलि टुडे
राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना

सतना प्रदेश के 16 जिलों में 10 से 12 दिसम्बर, 2023 को पल्स पोलियो अभियान का अतिरिक्त चरण किया जाएगा। अभियान में जीरो से 5 वर्ष आयु के लगभग 37 लाख 50 हजार बच्चों को पल्स पोलियो वैक्सीन की खुराक दी जायेगी। अभियान की सभी आवश्यक तैयारियों को सुनिश्चित करने संबंधित सीएमएचओ, सिविल सर्जन और जिला टीकाकरण अधिकारियों को एमडी एनएचएम श्रीमती प्रियंका दास ने निर्देश दिए हैं। डायरेक्टर एनएचएम (टीकाकरण) डॉ. संतोष शुक्ला ने बताया कि महिला-बाल विकास, स्कूल शिक्षा, नगरीय प्रशासन, वन, पंचायत, आदिम जाति कल्याण, आयुष, खेल एवं युवा कल्याण विभाग और डब्ल्यू.एच.ओ., यूनिसेफ, यूएनडीपी तथा अन्य स्वैच्छिक संस्थाओं के सहयोग से अभियान संचालित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प?ौसी देश पाकिस्तान और अफगानिस्तान में पोलियो के केस मिलने के कारण और साथ ही पोलियो-फ्री स्टेटस को मेंटेन रखने के लिये पल्स पोलियो अभियान का अतिरिक्त चरण किया जा रहा है। प्रदेश के भिण्ड, भोपाल, छिंदवा?ा, दतिया, ग्वालियर, इंदौर, कटनी, खरगौन, मंदसौर, नरसिंहपुर, नीमच, निवा?ी, सतना, श्योपुर, टीकमग? और विदिशा जिलों में अभियान संचालित होगा। इन जिलों में पोलियो दवाई पिलाने के लिये स्थानीय बूथ के साथ-साथ माइग्रेटरी पापुलेशन को कवर करने के लिये मोबाइल टीम भी गठित की जायेगी।सतना जिले के 3 लाख से अधिक बच्चों को दी जायेगी पोलियो की खुराक सतना जिले में पल्स पोलियो अभियान के तहत 10 दिसंबर रविवार को शून्य से 5 वर्ष आयु के लक्षित 3 लाख 54 हजार 879 बच्चों को पोलियो की खुराक दी जाएगी। इनमें शहरी क्षेत्र में 90 हजार 952 और ग्रामीण क्षेत्र में 2 लाख 63 हजार 927 बच्चे शामिल हैं। शहरी क्षेत्रों में 536 और ग्रामीण क्षेत्र में 2086 सहित कुल 2622 टीकाकरण बूथ बनाए जाएंगे। कुल 2742 टीकाकरण दल बनाए गए हैं। जिनमें 5648 कर्मचारी शामिल किए जाएंगे। 10 दिसंबर को छूट गए बच्चों को राउंड अप के तहत घर-घर जाकर दवा पिलाई जाएगी। कलेक्टर अनुराग वर्मा द्वारा पल्स पोलियो अभियान की सफलता के लिये विभिन्न विभागों को दायित्व सौंपे गये हैं।

20 पंच और 2 सरपंच के रिक्त पदों के लिये मतदान 5 जनवरी को

पुष्पांजलि टुडे
राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना

सतना राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा सतना और मैहर जिले की ग्राम पंचायतों में रिक्त सरपंच एवं पंच पदों की पूर्ति के लिये उप निर्वाचन का कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। जिला निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार जनपद पंचायत सोहावल की ग्राम पंचायत नयागांव का वार्ड क्रमांक 20 और फुटौंधा का वार्ड क्रमांक 1, जनपद पंचायत मझगवां अंतर्गत ग्राम पंचायत झोंटा का वार्ड क्रमांक 7, सेलौरा का वार्ड 15, पुतरीचुवा का वार्ड 11, पटनाखुर्द का वार्ड 6, जनपद पंचायत रामपुर बघेलान अंतर्गत ग्राम पंचायत अकौना का वार्ड क्रमांक 14, अबेर का वार्ड 17, नरसिंहपुर का वार्ड 5 और ग्राम पंचायत रामनगर का वार्ड क्रमांक 13 के लिये मतदान 5 जनवरी को होगा। इसी प्रकार जनपद पंचायत नागौद अंतर्गत ग्राम पंचायत दुर्गापुर का वार्ड क्रमांक 14, हरदुआकला का वार्ड 9, शहपुर का वार्ड 3, जनपद पंचायत उचेहरा अंतर्गत ग्राम पंचायत करहीकला का वार्ड 18, गोबरांवकला का वार्ड 8, जनपद पंचायत अमरपाटन अंतर्गत ग्राम पंचायत त्योंधरी का वार्ड 17 तथा जनपद पंचायत मैहर अंतर्गत ग्राम पंचायत तिघराकला का वार्ड 4, पिपराकला का वार्ड 2, हिनौताकला का वार्ड 4 एवं ग्राम पंचायत करैया बिजुरिया का वार्ड 6 में पंच के रिक्त पद के लिये मतदान किया जायेगा। जबकि जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत हिलौंधा और जनपद पंचायत उचेहरा की ग्राम पंचायत गु?ा में रिक्त सरपंच पद के लिये मतदान 5 जनवरी को किया जायेगा।

उप चुनाव के लिये रिटर्निंग ऑफीसर नियुक्त- कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अनुराग वर्मा द्वारा पंचायत उप निर्वाचन कार्यक्रम के लिये रिटर्निंग अधिकारियों की नियुक्ति कर दी गई है। जारी आदेशानुसार जनपद पंचायत सोहावल के लिये रिटर्निंग अधिकारी प्रभारी तहसीलदार सौरभ द्विवेदी, मगझगवां के लिये तहसीलदार जीतेंद्र तिवारी, रामपुर बघेलान के लिये प्रभारी तहसीलदार रायसिंह कुशराम, नागौद के लिये तहसीलदार सौरभ मिश्रा, उचेहरा के लिये प्रभारी तहसीलदार मीनाक्षी जायसवाल, अमरपाटन के लिये तहसीलदार रामदेव साकेत तथा जनपद पंचायत मैहर के लिये रिटर्निंग अधिकारी प्रभारी तहसीलदार जितेंद्र पटेल का नियुक्त किया गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी रिटर्निंग अधिकारी को निर्देश दिये हैं कि राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा उप चुनाव के लि

वीडियों कान्फ्रेंसिंग में धृति योजना के संबंध में निर्देश दिये

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । पुलिस महानिदेशक मध्?य प्रदेश द्वारा दिनांक 24/11/2023 को आयोजित वीडियों कान्फ्रेंसिंग में धृति योजना के संबंध में निर्देश दिये गये थे।इसी क्रम में आज दिनांक 08/12/2023 को पुलिस लाइन भिंड में स्थित धृति पुलिस परिवार कल्याण केंद्र कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक महोदय डॉ. असित यादव के निर्देशन में एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव पाठक के मार्गदर्शन में डीएसपी महिला प्रकोष्ठ श्रीमती पूनम शर्मा एवं रक्षित निरीक्षक अरविंद सिंह सिकरवार

द्वारा पुलिस परिवार की महिलाओं एवं बच्चियों को ÷ धृति÷ के उद्देश्यों के बारे में बताया गया जिसमें महिलाओं और बच्चियों को अपने हुनर जैसे सिलाई, बुनाई, हैण्डक्राफ्ट, हैण्डप्रिन्?ट कपड़े तथा कुकिंग इत्यादि के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने हेतु प्रोत्साहित किया गया । इस संबंध में पुलिस परिवार की महिलाओं एवं बच्चियों को उत्पाद के निर्माण से लेकर विक्रय तक की आवश्?यक जानकारी दी गयी । उक्त कार्यक्रम में पुलिस परिवार की कुछ महिलाओं द्वारा स्वयं द्वारा निर्मित कुछ उत्पाद का प्रदर्शन भी किया गया जिसकी कार्यक्रम में मौजूद अधिकारियो द्वारा सराहना की गई। इस आयोजन में लगभग 40 महिलाओं और बच्चियों ने भाग लिया।

राजकीय सुरक्षा कार्यक्रम में बोले प्लांट जी एम की छोटी लापरवाही से हो सकती है बड़ी घटना इस लिए सावधानी बरतें

दैनिकपुष्पांजली टुडे
संवाददाता मालनपुर

मालनपुर सूर्या रोशनी प्राइवेट लिमिटेड में मनाया गया फायर मोक डिल कड़ी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए 3 दिसंबर 1984 में गैस कंपनी भोपाल में हुई गासदी में उपलक्ष में जिसमें हजारों की संख्या में मजदूर काल के मुंह में समा गए थे इसी उपलक्ष्य में उद्योग क्षेत्र मालनपुर सूर्या रोशनी प्रांगण में अग्नि समक्ष सामग्री को सुरक्षा कैसे प्रदान की जाए किन-किन वस्तुओं का आवश्यकता आग बुझाने के लिए सावधानी पूर्वक इस पर काबू पाया जा सकता है कंपनी के अंदर फायर को बुझाने बुझाने के सिलेंडरों से कैसे आग पर काबू पाया जा सके इस संबंध में दिल्ली से आनंद सरदार सेफ्टी अधिकारी ने अपने उद्बोधन में विस्तार पूर्वक बताया एवं अशोक कुमार गोयल हेड प्रमुख रूप से उपस्थित रहे इसके बाद प्रशिक्षण किया गया जिसमें फैक्ट्री आग लगती फैक्ट्री के सेफ्टी इंचार्ज द्वारा आज की सूचना फायर ब्रिगेड स्टेशन को दी जाती है और सायरन बजाकर समस्त फैक्ट्री कर्मचारीयों सूचित किया जाता है फायर गाड़ियों आती है और आग पर काबू पाने के लिए अपनी सुरक्षा करते हुए आग बुझाते हैं फायर कर्मचारी घायल हो जाता है उसका तुरंत फास्ट्रैक एवं एंबुलेंस द्वारा

अस्पताल में भेजा जाता है विस्तार बताया गया है सूर्या प्लांट हेड तपन कुमार बंदोपाध्याय एवं फैक्ट्री हेड एच आर जी एम मुकुल चतुर्वेदी ने बताया है कि उद्योग क्षेत्र में थोड़ी सी लापरवाही बड़ी घटना को अंजाम दे देती है इस पर काबू नहीं पाया गया तो इसलिए हम आप सब की जिम्मेदारी बनती है उसी ध्यान में रखते हुए आज 3 दिसंबर 1984 को आज राजकीय सुरक्षा के रूप में मनाते हैं इस अवसर पर उद्योग क्षेत्र के प्रबंधक मौजूद रहे एस आर एफ जी एम संतोष पाठक, सुप्रीम योगेश चौहान, सुप्रीम रोटोमोल्ड अचिन जी, विनोद राजपूत, संजय शर्मा सूर्या रोशनी पाइप डिविजन मुकुल राय, सौरभ भार्गव, एवं समस्त सिक्योरिटी स्टाफ पुलिस फायर स्टेशन समस्त कर्मचारी मौजूद रहे

आंकाक्षी विकासखण्ड भगवानपुरा की 10 ग्राम पंचायतों में बाल सरंक्षण के लिए जागरूकता रथ भ्रमण करेगा

खरगोन जिले से मुन्ना खान पुष्पांजलि टुडे

आकांक्षी विकासखण्ड भगवानपुरा की 10 ग्राम पंचायतों में 11 से 15 दिसंबर तक बाल संरक्षण के लिए जागरूकता रथ भ्रमण करेगा। 11 दिसंबर से 15 दिसंबर तक जागरूकता रथ भगवानपुरा विकासखंड की चिन्हित 10 ग्राम पंचायतों के सभी ग्रामों के भ्रमण पर रहेगा। भ्रमण के दौरान जागरूकता रथ के द्वारा बाल संरक्षण, बाल अधिकार, हेल्प लाइन नम्बर के प्रति जन समुदाय को जागरूक किया करेगा। 11 दिसंबर को बाल अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन (सीआरसी या यूएनसीआरसी के रूप में संक्षिप्त) एक अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संधि है जो बच्चों के नागरिक, राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक, स्वास्थ्य और सांस्कृतिक अधिकारों को निर्धारित करती है। कन्वेंशन एक बच्चे को अठारह वर्ष से कम आयु के किसी भी इंसान के रूप में परिभाषित करता है, जब तक कि राष्ट्रीय कानून के तहत वयस्कता की आयु पहले प्राप्त न हो जाए। जागरूकता रथ 11 दिसंबर को कलेक्ट्रेट कार्यालय से प्रारंभ होकर आकांक्षी विकासखण्ड भगवानपुरा की ग्राम पंचायत मोहना और बहादपुरा के भ्रमण पर रहेगा। यह रथ 12 दिसंबर को धुलकोट, काबरी में, 13 दिसंबर को बाड़ीखुर्द, भग्यापुर में, 14 दिसंबर को अम्बाखेड़ा, जामनिया पानी में एवं 15 दिसंबर को भगवानपुरा, बाड़ी और खरगोन के भ्रमण पर रहेगा।

वर्ष 2023 की अंतिम नेशनल लोक अदालत आज

पुष्पांजलि टुडे
राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना

सतना राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली के निर्देशानुसार वर्ष 2023 की अंतिम नेशनल लोक अदालत का आयोजन 9 दिसम्बर शनिवार को उच्च न्यायालय स्तर से लेकर जिला न्यायालयों, तालुका न्यायालयों, श्रम न्यायालयों, कुटुम्ब न्यायालयों में किया जायेगा। नेशनल लोक अदालत में न्यायालयीन लंबित दीवानी एवं आपराधिक शमनीय मामलों एवं बैंक, विद्युत, श्रम, जलकर संपत्तिकर आदि प्री-लिटिगेशन प्रकरणों सहित सभी प्रकार के मामले निराकरण के लिये रखे जायेंगे। इसके साथ ही चेक अनादरण के मामले, विद्युत अधिनियम, मोटर दुर्घटना, ब्याज, अधिभार एवं सिविल दायित्वों में छूट संबंधी प्रकरणों का आपसी सौहार्द पूर्ण निराकरण किया जायेगा।

46 खंडपीठ का गठन- प्रधान जिला न्यायाधीश अजय श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में 9 दिसंबर को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत के लिये 46 खंडपीठ का गठन किया गया है। जिसमें लंबित प्रकृति के 8 हजार से अधिक एवं प्रिलिटिगेशन के 6 हजार से अधिक प्रकरण रखे जायेंगे। इसके साथ ही विशेष मामलों के निराकरण के लिये विशेष खंडपीठ गठित की गई है। प्रधान जिला न्यायाधीश ने पक्षकारों एवं आम लोगो से लोक अदालत में उत्साह के साथ शामिल होने की अपील भी की है। उन्होनें समस्त राजीनामा योग्य प्रकरणों में उपस्थित होकर और भाग लेकर प्रकरणों के निराकरण कराने की भी अपील की है। विशेष रूप से 138 निगोशिएबल इन्स्ट्रूमेंट एक्ट (138 एनआईए) के मामलों में राजीनामा कर आपसी सद्भाव एवं सौहार्द्र ब?ाए जाने की अपेक्षा की है। इसी प्रकार विद्युत के मामलों में संबंधित सभी पक्षकारों से अपील की है कि वे बकाया बिजली बिल एवं लंबित बिजली प्रकरणों में उपस्थित होकर उपयोग की गई बिजली के बिल की राशि जमा करें ताकि उनकी आर्थिक बचत हो और उर्जा विभाग, उर्जा का वितरण उचित रूप से कर अधिक से अधिक लोगों को बिजली आपूर्ति कर सके। जिससे आमजन का जीवन सुविधा पूर्ण हो सके। उन्होंनें ब्याज, अधिभार एवं सिविल दायित्वों में दी गई छूट का भरपूर लाभ उठानें, और राष्ट्र की प्रगति में सहयोग करने की अपील की है। उनके द्वारा यह भी अपील की गई है कि मोटर दुर्घटना के प्रकरणों में शीघ्रता से क्षतिपूर्ति प्राप्त करने और क्षतिपूर्ति अदा करने में सहयोग करें ताकि पीड़ित व्यक्ति को समय पर सहायता मिल सके।

नियमानुसार मिलेगी छूट- नेशनल लोक अदालत में बिजली चोरी एवं अनियमितताओं के प्रकरण को समझौते के माध्यम से निराकृत किया जाएगा। विद्युत वितरण कंपनी द्वारा विद्युत अधिनियम 2003 धारा 126 एवं 135 के अंतर्गत न्यायालयों में लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिए विद्युत उपभोक्ताओं एवं उपयोगकर्ताओं से अपील की गई है कि वे अप्रिय कानूनी कार्यवाही से बचने के लिए अदालत में समझौता करने के लिए संबंधित बिजली कार्यालय से संपर्क करें।

नेशनल लोक अदालत में धारा 126 एवं 135 के अंतर्गत अदालत में लंबित प्रकरणों का निराकरण के लिये निम्नदाब श्रेणी के समस्त घरेलू, समस्त कृषि, 5 किलोवॉट तक के गैर घरेलू एवं 10 अश्व शक्ति भार तक के औद्योगिक उपभोक्ताओं को प्रकरणों में ही छूट दी जाएगी। प्रि-लिटिगेशन स्तर पर-कंपनी द्वारा आंकलित सिविल दायित्व की राशि पर 30 प्रतिशत एवं आंकलित राशि के भुगतान में चूक किये जाने पर निर्धारण आदेश जारी होने की तिथि से 30 दिवस की अवधि समाप्त होने के पश्चात् प्रत्ये क छः माही चक्रवृद्धि दर अनुसार 16 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से लगने वाले ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। लिटिगेशन स्तर पर - कंपनी द्वारा आंकलित सिविल दायित्व की राशि पर 20 प्रतिशत एवं आंकलित राशि के भुगतान में चूक किये जाने पर निर्धारण आदेश जारी होने की तिथि से 30 दिवस की अवधि समाप्त होने के पश्चात् प्रत्येक छःमाही चक्रवृद्धि दर अनुसार 16 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से लगने वाले ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत छूट दी जाएगी। आवेदक को निर्धारित छूट के उपरांत शेष बिल आंकलित सिविल दायित्व एवं ब्याज की राशि का एकमुश्त भुगतान करना होगा। उपभोक्ता/उपयोगकर्ता को विचाराधीन प्रकरण वाले परिसर एवं अन्य परिसरों पर उसके नाम पर किसी अन्य संयोजन/संयोजनों के विरूद्ध विद्युत देयकों की बकाया राशि का पूर्ण भुगतान भी करना होगा। आवेदक के नाम पर कोई वैध कनेक्शन न होने की स्थिति में छूट का लाभ प्राप्त करने हेतु आवेदक द्वारा वैध कनेक्शन प्राप्त करना एवं पूर्व में विच्छेदित कनेक्शनों के विरूद्ध बकाया राशि (यदि कोई हो) का पूर्ण भुगतान किया

एलीवेटेड रोड के काम में और तेजी लाएँ : ऊर्जा मंत्री

ग्वालियर7 एलीवेटेड रोड के निर्माण में और तेजी लाएँ, जिससे यह महात्वाकांक्षी प्रोजेक्ट जल्द से जल्द पूरा हो और शहरवासियों को सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके। इस आशय के निर्देश नव निर्वाचित विधायक एवं ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने सेतु निगम के अधिकारियों को दिए। उन्होंने जोर देकर कहा एलीवेटेड रोड के काम में गुणवत्ता के साथ कोई समझौता न हो। ऊर्जा मंत्री तोमर ने शुक्रवार को कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह, निगमायुक्त हर्ष सिंह के साथ हजीरा क्षेत्र का भ्रमणकर निर्माणाधीन एलीवेटेड रोड एवं सिविल अस्पताल हजीरा का जायजा लिया। ऊर्जा मंत्री तोमर ने ट्रिपल आईटीएम पुलिया से फूलबाग तक बनाये जा रहे एलीवेटेड रोड के निर्माण कार्य की विस्तार से जानकारी ली। भ्रमण के दौरान उन्होंने हजीरा सिविल अस्पताल के समीप निर्माणाधीन एलीवेटेड रोड के हिस्से का जायजा लिया। तोमर ने कहा यह कार्य हमें समय सीमा से पहले और गुणवत्ता के साथ पूर्ण करना है। सिविल अस्पताल हजीरा के निरीक्षण के दौरान ऊर्जा मंत्री तोमर ने कहा कि सिविल अस्पताल हजीरा कायाकल्प योजना में प्रदेश में दूसरे स्थान पर है, इसको हमें प्रथम स्थान पर लाना है। मरीजों की संतुष्टि के साथ के साथ बेहतर स्वस्थ्य सेवाएं मुहैया कराना हमारा संकल्प है। उन्होंने कहा कि सिविल अस्पताल हजीरा में मरीजों के लिए किचिन बनकर तैयार हो चुका है साथ ही ऑपरेशन थियेटर भी बनकर तैयार है। पार्किंग का काम भी पूर्ण हो गया है। ये सभी सुविधाएं मरीजों को शीघ्र मिलना चालू हों इसका प्रयास पूरी शिद्दत से किया जा रहा है।

ग्वालियर में 14 दिसम्बर को आएगी रिक्शा-रन

ग्वालियर। मानव सेवा, सामाजिक सदभाव और राष्ट्रीय एकता के पुनीत उद्देश्य को लेकर 14 दिसम्बर को ÷रिक्शा-रन÷ ग्वालियर पहुँचेगी। तीन दर्जन ऑटो रिक्शों में सवार होकर लगभग 108 सेवाभावी नागरिक एवं प्रबुद्धजन रिक्शा-रन के तहत ग्वालियर आएँगे। कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह ने शुक्रवार को गूगलमीट के जरिए इस यात्रा की तैयारियों की समीक्षा की। साथ ही कहा कि ग्वालियर शहर में यात्रा का इस तरह से स्वागत हो जिससे रिक्शा-रन में शामिल सेवाभावी नागरिकों को ऐसा महसूस हो कि वे संगीत, कला एवं प्रबुद्ध लोगों के शहर से होकर गुजर रहे हैं। गूगलमीट में जानकारी दी गई कि ÷रिक्शा-रन ÷ 10 दिसम्बर से 23 दिसम्बर तक आयोजित हो रही है। चित्रकूट से रवाना हुई रिक्शा-रन 14 दिसम्बर को सिटी ऑफ म्यूजिक ग्वालियर पहुँचेगी। यह रिक्शा-रन 23 दिसम्बर को भुज पहुँचेगी। ग्वालियर प्रवास के दौरान रिक्शा-रन लाल टिपारा गौशाला जाएगी। इसके अलावा कंपू क्षेत्र में भी जाएगी। ग्वालियर प्रवास के दौरान रिक्शा-रन में शामिल सेवाभावी नागरिक प्रबुद्धजनों से संवाद भी करेंगे। सेवाभारती के छात्रावास का अवलोकन करने भी रिक्शा-रन पहुँचेगी। कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह ने गूगलमीट में सभी से आग्रह किया कि ग्वालियर में इस यात्रा का आत्मीयता के साथ स्वागत करें। साथ ही अपनी बुद्धिमत्ता का परिचय दें और ऐतिहासिक नगरी ग्वालियर की कलाधर्मिता से भी परिचित कराएँ। गूगलमीट में संबंधित अधिकारी, यात्रा के आयोजन से जुडे सेवाभावी नागरिक, व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधिगण शामिल हुए।

पल्स पोलियो अभियान का अतिरिक्त चरण 10 दिसम्बर को

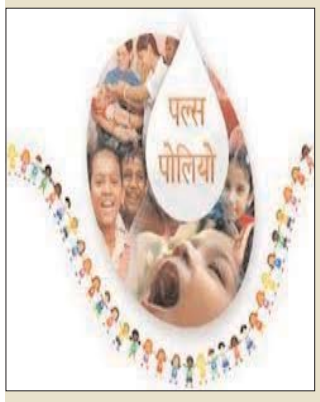

ग्वालियर7 ग्वालियर सहित प्रदेश के 16 जिलों में 10 से 12 दिसम्बर को पल्स पोलियो अभियान का अतिरिक्त चरण का आयोजन होगा। अभियान के तहत जिले में जन्म से 5 वर्ष आयु तक के लगभग 3 लाख 47 हजार 299 बच्चों को पल्स पोलियो वैक्सीन की खुराक दी जायेगी। भारत के प?ासी देश पाकिस्तान और अफगानिस्तान में पोलियो के केस मिलने के कारण और साथ ही पोलियो-फ्री स्टेटस को मेंटेन रखने के लिये पल्स पोलियो अभियान का यह अतिरिक्त चरण आयोजित हो रहा है।महिला-बाल विकास, स्कूल शिक्षा, नगरीय प्रशासन, वन, पंचायत, आदिम जाति कल्याण, आयुष, खेल एवं युवा कल्याण विभाग और डब्ल्यू.एच.ओ., यूनिसेफ, यूएनडीपी तथा अन्य स्वैच्छिक संस्थाओं के सहयोग से अभियान संचालित किया जाएगा। प्रदेश के ग्वालियर, भिण्ड, दतिया, भोपाल, छिंदवाड़ा, इंदौर, कटनी, खरगौन, मंदसौर, नरसिंहपुर, नीमच, निवाड़ी, सतना, श्योपुर, टीकमगढ़ और विदिशा जिलों में अभियान संचालित होगा। कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह के मार्गदर्शन में पल्स पोलियो अभियान के अतिरिक्त चरण की तैयारियाँ पूर्ण कर ली गई हैं। पोलियोरोधी खुराक पिलाने वाले दलों व पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षित किया जा चुका है। गाँव-गाँव व शहर- शहर में आशा कार्यकर्ताओं एवं एएनएम के द्वारा नारे लिखकर पल्स पोलियो अभियान के अतिरिक्त चरण का प्रचार प्रसार भी किया जा रहा है।

हार किसी लड़ाई का अंत नहीं, 2024 में केन्द्र से भाजपा का पत्ता साफ करें : देवेन्द्र शर्मा

ग्वालियर । शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ. देवेन्द्र शर्मा की अध्यक्षता एवं पूर्व सांसद रामसेवक बाबूजी, वरिष्ठ कांग्रेस नेता सुनील शर्मा की उपस्थिति में कांग्रेस भवन, शिंदे की छावनी पर कांग्रेस साधारण सभा की बैठक सम्पन्न हुई।कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. देवेन्द्र शर्मा ने साधारण सभा में उपस्थित कांग्रेसजनों को संबोधित करते हुए कहा कि चुनाव में जीत और हार होती है, आज हम विपक्ष में है तो कल सत्ता में भी होंगे, हमें अपने हौसलों को कम नहीं करना है, इस विधानसभा चुनाव में जिस तरह के परिणाम आए है उससे साफ प्रतीत होता है कि विपक्षीय दल सत्ता हथियाने के लिए किसी भी हद तक जा सकते है। कांग्रेस के हर कार्यकर्ता ने 2023 के विधानसभा चुनाव में जी तो? मेहनत की है। इसके लिए कांग्रेस पार्टी प्रत्येक कार्यकर्ता का धन्यवाद ज्ञापित करती है। हम सभी ने देखा है कि इस विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के हर कार्यकर्ता में एक नई ऊर्जा का संचार हुआ है। बैठक में सभी कार्यकर्ताओं की इतनी उपस्थिति इस बात का प्रमाण है कि हम सभी को हार से घर पर नहीं बैठना है, हार किसी ल?ाई का अंत नही है हमें इसे स्वीकार करना चाहिए, हमारे सामने 2024 का लोकसभा चुनाव है। हमारा लक्ष्य 2024 में केन्द्र में कांग्रेस की सरकार बनाना है तब ही हठधर्मिता, तानाशाही, घनबल, बाहुबल, सत्ता का दुरूपयोग करने वाली भाजपा को मुंहतो? जबाव दिया जा सकेगा। बैठक में पूर्व विधायक मदन कुशवाह, कार्यवाहक अध्यक्ष वीर सिंह तोमर, प्रदेश प्रवक्ता धर्मेन्द्र शर्मा, इब्राहिम पठान, राजेन्द्र सिंह नाती, चतुर्भुज धनोलिया, अशोक प्रेमी, इन्द्रजीत सिंह, श्रीमती निधि शर्मा, सीमा समाधिया, श्रीमती माधवी डिगे, उदल सिंह यादव, जेएच जाफरी, ओमप्रकाश दुबे, सुरेन्द्र सिंह, पूरन सिंह सूर्यवंशी, सरमन राय आदि उपस्थित थे। बैठक का संचालन कार्यवाहक अध्यक्ष महाराज सिंह पटेल ने किया।

श्रमोदय विद्यालय में श्रमिकों के बच्चों के लिए नि:शुल्क आवासीय शिक्षा सुविधा

ग्वालियर। भवन एवं संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल में पंजीकृत श्रमिकों के बच्चों को निःशुल्क उच्च गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से सरकार द्वारा ग्वालियर में भी आवासीय श्रमोदय विद्यालय संचालित है। कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह ने जिले के श्रमिकों से इस विद्यालय का लाभ उठाकर अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा दिलाने की अपील की है। श्रमोदय विद्यालय में हर साल छठवीं कक्षा में 160 विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जाता हैं। सभी कक्षाओं को मिलाकर श्रमिकों के कुल 640 बच्चों को इस विद्यालय में हर साल प्रवेश देने का प्रावाधान है। भवन एवं संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल में पंजीकृत श्रमिक इस विद्यालय में अपने बच्चों को प्रवेश दिला सकते हैं। प्रदेश सरकार द्वारा संचालित श्रमोदय विद्यालय में श्रमिकों के बच्चों को निःशुल्क भोजन, आवासीय सुविधा और कॉपी किताबें सहित प?ाई के लिए अन्य सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाती हैं। साथ ही बच्चों को पढ़ाने के लिए सरकार ने उत्कृष्ट शिक्षकों की व्यवस्था भी इस विद्यालय में की है।

विकसित भारत संकल्प यात्रा का रूट ऐसा हो जिससे अधिकाधिक लोगों को लाभ मिल सके : कलेक्टर

ग्वालियर । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर निकाली जा रही ÷विकसित भारत संकल्प यात्रा÷ ग्वालियर जिले में भी गाँव-गाँव व शहर-शहर पहुँचेगी। कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह ने जिले में सुव्यवस्थित एवं प्रभावी ढंग से यात्रा का आयोजन करने के सिलसिले में गुरूवार को यहाँ कलेक्ट्रेट के सभागार में अधिकारियों की बैठक ली। इस अवसर पर उन्होंने निर्देश दिए कि सरकार की मंशा के अनुरूप यात्रा के दौरान जरूरतमंद हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ दिलाएँ। साथ ही यात्रा का रूट इस प्रकार से हो जिससे अधिक से अधिक लोगों को इसका लाभ मिल सके। उन्होंने कहा यात्रा में क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों को अवश्य भागीदार बनाएँ। ज्ञात हो प्रधानमंत्री मोदी ने ÷जनजातीय गौरव दिवस÷ पर इस यात्रा का शुभारंभ किया था। कलेक्टर सिंह ने शहरी क्षेत्र में यात्रा के आयोजन के लिये नगर निगम आयुक्त हर्ष सिंह और ग्रामीण क्षेत्र के लिए जिला पंचायत के सीईओ विवेक कुमार को नोडल अधिकारी की जिम्मेदारी सौंपी है। शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में यात्रा के समन्वय का दायित्व एडीएम टीएन सिंह को सौंपा गया है। यात्रा की कार्ययोजना, गतिविधियाँ और कार्य विभाजन को अपर कलेक्टर श्रीमती अंजू अरूण कुमार अंतिम रूप देंगीं। कलेक्टर ने बैठक में सभी एसडीएम को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने क्षेत्र में यात्रा का रूट निर्धारित करें। साथ ही यात्रा के दौरान आयोजित होने वाली गतिविधियों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी अंतिम रूप दें। बैठक में जानकारी दी गई

मध्य प्रदेश में कांग्रेस की हार स्वीकार, बीजेपी को बंपर जीत के लिए कमलनाथ ने दी बधाई

मध्य प्रदेश में बीजेपी को मिल रही बंपर जीत और कांग्रेस की हार पर राज्य के पूर्व सीएम, मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और छिंदवाड़ा से उम्मीदवार कमलनाथ बीजेपी को बधाई दी है, साथ ही उन्होंने

कहा कि वे कांग्रेस की हार को स्वीकार करते हैं. कमलनाथ ने कहा, ÷इस मुकाबले में हम मध्य प्रदेश के मतदाताओं का फैसला स्वीकार करते हैं, आज विरोधी दल के नाते हम अपने कर्तव्य पर डटे रहेंगे. मैं बीजेपी को जीत की बधाई देता हूं.÷कमलनाथ ने कहा कि मुझे ये विश्वास है कि जो मध्य प्रदेश जो भरोसा बीजेपी पर किया है. बीजेपी उनके साथ विश्वासघात नहीं करेगी. विरोधी दल के नेता हमारा जो कर्तव्य है हम अपना काम करते रहेंगे. जनता को जो विश्वास उन्होंने जताया है. भाजपा उसपर खड़ी उतरेगी. मैं मध्य प्रदेश के मतदाताओं पर विश्वास करता हूं.

मधुमक्खी पालन बदल सकता है किसान का जीवन, जरूरत है सोच बदलने की

ग्वालियर। राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय ग्वालियर में लघु कृषक कृषि व्यापार संघ एवं कृषि विज्ञान केन्द्र ग्वालियर द्वारा मधुमक्खी पालन पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला एवं जागरूकता कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। जिसका उद्देश्य मधुमक्खी पालन कृषि आधारित व्यवसाय को बढावा देना है। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में मधुमक्खी पालन में कर्नाटक के प्रगतिशील मधुमक्खी पालक डॉ. मधुकेश्वर हेग? ने अपने उद्बोधन में बताया कि वह किस प्रकार एक गरीब परिवार से उठकर एक प्रगतिशील उद्यमी बनें। जीवन में उन्हें कितनी कठिनाईयों का सामना करना प?ा। श्री हेगड़े ने कहा मेरे जीवन की सफलता में मेरी माता व उनके दिये संस्कारों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। आप सभी भी अपने माता-पिता व धरती मां का सम्मान करें। उनके द्वारा शहद से बने उत्पाद हनी जैम, लेमन जिंजर हनी जूस, रॉयल जैली, तुलसी हनी, सुपारी हनी, जामुन हनी, हनी लिप बाम, हनी बीटरूट लिप बाम, हनी पॉलन, हनी सॉप आदि उत्पादों का प्रदर्शन कर किसानों को संबोधित किया। श्री हेग? द्वारा मधुमक्खी पालन हेतु 500 से ज्यादा कॉलोनियां बनाई गयी है, जिनसे उनकी स्वयं की वर्षभर की आय 2 करो? 28 लाख रूपये है साथ ही वे 300 कर्मचारियों को रोजगार भी दे रहे है। हाल ही में भारत सरकार की परिवहन मंत्री माननीय श्री नितिन गडकरी द्वारा नेशनल मिलिनियर अवार्ड से भी सम्मानित किया गया है।कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि जबलपुर अटारी जोन 9 के निदेशक डॉ. एस. आर. के. सिंह ऑनलाइन माध्यम से जुडे। उन्होंने कहा कि इस कार्यशाला से आप सभी युवा एवं किसान मधुमक्खी पालन की बारिकियां व खूबियां समझकर एक नये व्यवसायी व सफल उद्यमी बने। साथ ही उत्कृष्ट व विकसित भारत के सपने में अपनी सहभागिता करें । कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अरविन्द कुमार शुक्ला ने कहा कि सफल उद्यमी डॉ. मधुकेश्वर हेगडे की सफलता से मुझे प्रेरणा मिली है, आप सब भी इनसे प्रेरणा लें। उन्होंने कहा कि हमने अपना जीवन केवल धान व गेंहू की फसल पर ही निर्भर कर लिया है। हमें विविधीकरण कर ऐसे पौधे लगाने चाहिए जिन पर मधुमक्खियां आकर परपरागण कर सके। हमें और आपको प्रकृतिपरक होने की आवश्यकता है। हम अपनी फसल तकनीक को बदलें ताकि सरसों की फसल के मौसम के अतिरिक्त भी अन्य मौसम में मधुमक्खी पालन किया जा सके। डॉ. शुक्ला ने कहा सफल होने के लिए शिक्षा ही एक माध्यम नहीं है यदि सफल होने चाहते है तो इससे कोई फर्क नहीं प?ता कि आप कितने पढ़े लिखे है। आपकी सफलता में व्यवहार, शैली, आत्मविश्वास आदि भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। कार्यक्रम में निदेशक विस्तार सेवायें डॉ. वाय.पी. सिंह, राष्ट्रीय मधुमक्खी बोर्ड के रंजीत सिंह, अटारी जोन 9 के वैज्ञानिक डॉ. हरीश मंचासीन रहे। कार्यशाला में कुलसचिव अनिल सक्सेना, कृषि विज्ञान केन्द्र ग्वालियर के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. राज सिंह कुशवाह, लगभग 200 किसान प्रत्यक्ष रूप से व अन्य 1000 किसान ऑनलाइन माध्यम से जुडे। कार्यशाला का स्वागत भाषण कृषि वैज्ञानिक अरविन्द कौर, धन्यवाद भाषण कृषि वैज्ञानिक डॉ. अमिता शर्मा व संचालन वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. रश्मि वाजपेयी द्वारा किया गया। तकनीकी सत्रों में बताया गया कि मधुमक्खियों द्वारा फसलों में परपरागण क्रिया होती है जिससे फसलों के बीज उत्पादन तथा फलदार वृक्षों की गुणवत्ता में वृद्धि होती है। मधुमक्खी पालन हेतु उपर्युक्त फसलों जैसे सरसों, तोरिया, बरसीम, अजवायन, धनिया, बाजरा, तिल, नीम, व अन्य फूलों वाले पेड-पौधे मधुमक्खियों के लिए मधुरस व पराग का उत्तम स्त्रोत है।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478